www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित
देश की उपासना
देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए
DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर
वर्ष – 04 अंक – 323 जौनपुर मंगलवार, 14 जुलाई 2026 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

चारा घोटाला केस में लालू यादव को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद यादव को देवघर चारा घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सर्वोच्च अदालत ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की उस याचिका पर अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया, जिसमें झारखंड हाईकोर्ट द्वारा दी गई जमानत को रद्द करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने फिलहाल हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप नहीं किया और साथ ही लंबित अपीलों के शीघ्र निस्तारण पर जोर दिया।सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लालू यादव को जमानत मिले कई वर्ष हो चुके हैं और उनकी अपीलें भी लंबे समय से लंबित हैं। ऐसे में इस स्तर पर जमानत रद्द करना उचित नहीं होगा। अदालत ने झारखंड हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि लंबित आपराधिक अपीलों की सुनवाई जल्द पूरी की जाए ताकि मामले का अंतिम निपटारा समयबद्ध तरीके से हो सके।सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने दलील दी कि झारखंड हाईकोर्ट ने तथ्यात्मक और कानूनी आधार पर त्रुटिपूर्ण आदेश पारित किया है। उनका कहना था कि हाईकोर्ट ने यह मान लिया कि लालू यादव अपनी सजा का 50 प्रतिशत हिस्सा पूरा कर चुके हैं, जबकि वास्तविक स्थिति इससे अलग है।

यूपी सरकार ने होम स्टे नीति में किया बदलाव

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने और होम स्टे संचालकों को अधिक सुविधाएं देने के उद्देश्य से श्उत्तर प्रदेश बेड एंड ब्रेकफास्ट एवं होम स्टे नीति–2025श की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में संशोधन किया है। नई व्यवस्था के तहत अब होम स्टे और बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठानों में अधिकतम आठ कमरों का पंजीकरण कराया जा सकेगा। साथ ही पंजीकरण प्रमाण पत्र के स्व–नवीनीकरण (ऑटो–रिन्यूअल) की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मंगलवार को बताया कि हितध ाारकों की सुविधा और नीति को अधिक लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से एसओपी में संशोधन किया गया है। उन्होंने बताया कि संशोधि ात व्यवस्था के अनुसार होम स्टे प्रतिष्ठान में न्यूनतम एक और अधिकतम आठ कमरे पंजीकृत कराए जा सकेंगे। जिन भवनों में नौ या उससे अधिक कमरे होंगे, वे इस नीति के तहत पंजीकरण के पात्र नहीं होंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि होम स्टे का मालिक या उसका परिवार उसी भवन में निवासरत होना अनिवार्य होगा। मंत्री ने बताया कि बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठानों के लिए भी न्यूनतम एक और अधिकतम आठ कमरों के पंजीकरण का प्रावधान किया गया है।

पीएम मोदी ने साझा किया संस्कृत सुभाषित, बोले- सूर्य और प्रकाश एक-दूसरे के पूरक हैं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मंगलवार को सुभाषित शेयर किया। प्रधानमंत्री ने सुभाषित शेयर करते हुए श्लोक लिखा, "प्रभया हि विना यद्वद् भानुरेष न विद्यते। प्रभा च भानुना तेन सुतरां तदुपाश्रयाद्" इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि जिस प्रकार सूर्य अपनी प्रकाश के बिना दृष्टिगोचर नहीं होता, उसी प्रकार प्रकाश की सूर्य के बिना अस्तित्व में नहीं रह सकता। इस प्रकार सूर्य और प्रकाश का संपूर्ण अस्तित्व एवं शक्ति एक–दूसरे पर पूर्णतरू आश्रित हैं। बीते दिन सोमवार को प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर सुभाषित शेयर करते हुए लिखा था, "जब चौतरफा विकास के साथ हर देशवासी के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन सुनिश्चित होता है, तब राष्ट्र की प्रगति को भी नई गति मिलती है। इसी प्रेरक भावना के साथ हम भारत के सामर्थ्य को निरंतर मजबूती देने में जुटे हुए हैं।" पीएम मोदी ने एक श्लोक "कन्यानां सम्प्रदानञ्च कुमाराणाञ्च रक्षणम्। राष्ट्रस्य सङ्ग्रहे नित्यं विधानमिदमाचरेत्" भी शेयर किया था। इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि कन्याओं के हितों की समुचित व्यवस्था करना, नई पीढ़ी के संरक्षण एवं विकास को सुनिश्चित करना तथा राष्ट्र की एकता, सुरक्षा, समृद्धि और सुव्यवस्थित संचालन के लिए निरंतर आवश्यक प्रबंधन करना, ये प्रत्येक जनप्रतिनिधि के नित्य कर्तव्य हैं। प्रधानमंत्री ने 9 जुलाई को सोशल मीडिया पर सुभाषित शेयर करते हुए लिखा था, "दृढ़ विश्वास, सतत प्रयास और सकारात्मक सोच सफलता की असली कुंजी है। हमारे युवा साथी इन्हीं गुणों के साथ पूरे समर्पण भाव से विकसित भारत के निर्माण में जुटे हैं।" उन्होंने संस्कृत श्लोक "अनिर्वेदः श्रियो मूलमनिर्वेदः परं सुखम्। अनिर्वेदो हि सततं सर्वार्थेषु प्रवर्तकः" भी शेयर किया था। इस श्लोक का हिंदी अर्थ है कि उन्नति का मूल आधार उत्साह, दृढ़ विश्वास और निरंतर पुरुषार्थ है। जो व्यक्ति निराश हुए बिना अपने लक्ष्य की ओर सतत प्रयासरत रहता है।

रक्षाबंधन पर महिलाओं को 2500 रुपये देने की तैयारी, महिला समृद्धि योजना का नाम अब दिल्ली लक्ष्मी योजना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने वाली योजना को अगले महीने रक्षाबंधन के आसपास शुरू करने की तैयारी शुरू कर दी है। सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में योजना के पात्रता नियम तय कर दिए गए। साथ ही महिला समृद्धि योजना का आधिकारिक नाम बदलकर दिल्ली लक्ष्मी योजना कर दिया है। दिल्ली सरकार की महिला समृद्धि योजना (अब दिल्ली लक्ष्मी योजना) बेहद चर्चित और उम्मीदों वाली है।

लाखों महिलाएं इसके शुरू होने की आस लगाए बैठी हैं। नई सरकार बनने के बाद से रेखा गुप्ता के मंत्रिमंडल पर इस योजना को शुरू करने का भारी दबाव रहा है। अब सरकार इस योजना की कई स्पष्ट पात्रता शर्तों के साथ इसे लागू कराने की तैयारी कर रही है। अगले महीने रक्षाबंधन से पहले इसकी पहली किस्त देने की तैयारी है। सरकार ने तय किया है कि इसका लाभ केवल उस महिला को मिलेगा, जो 21 से 60 वर्ष की आयु की हो और स्वयं या उसका परिवार कम से कम 10 वर्ष से दिल्ली में रह रहा हो। परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। एक परिवार से केवल एक महिला को ही योजना का लाभ मिलेगा और परिवार की सबसे बड़ी पात्र महिला को प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार ने कुछ अपात्रता की शर्तें भी तय की हैं। यदि महिला या उसके परिवार के किसी सदस्य के खिलाफ आपराधिक रिकॉर्ड है तो योजना का लाभ नहीं मिलेगा। जिन महिलाओं को पहले से किसी सरकारी पेंशन या नियमित आर्थिक सहायता योजना का लाभ मिल रहा है, वे भी इसके दायरे से बाहर रहेंगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 15 जुलाई को करेंगी 'सौश्रुतम् 2026' का उद्घाटन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बुधवार, 15 जुलाई को अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (।प्प्।) में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार 'सौश्रुतम् 2026' का उद्घाटन करेंगी। आयुष मंत्रालय के तहत आयोजित यह सेमिनार 15 से 17 जुलाई तक चलेगा, जबकि 14 जुलाई को पूर्व–कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम शल्य चिकित्सा के जनक आचार्य सुश्रुत की जयंती के अवसर पर आयोजित हो

रहा है। सेमिनार में आयुर्वेद और आधुनिक शल्य चिकित्सा के एकीकरण पर देश–विदेश के विशेषज्ञ विचार–विमर्श करेंगे। कार्यक्रम के दौरान एनसीआईएसएम द्वारा तैयार "आयुर्वेद महिला स्नातकों के पेशेवर करियर का मूल्यांकन" विषयक राष्ट्रीय अध्ययन भी जारी किया जाएगा। इसके अलावा, 14.5 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित अत्याध ुनिक 3–टेस्ला हाई–फील्ड एमआरआई प्रणाली का उद्घाटन होगा। इस प्रणाली में एआई–सक्षम वर्कफ्लो, बायोमेट्रिक्स और उन्नत इमेजिंग सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सेमिनार में थाईलैंड, इजराइल, ऑस्ट्रिया, यूनाइटेड किंगडम, श्रीलंका, इंडोनेशिया, नेपाल, ग्रीस और भारत के प्रमुख सर्जन, शिक्षाविद और शोधकर्ता भाग लेंगे। उद्घाटन समारोह में केंद्रीय आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव जाधव, दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संध ू, सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी और आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा सहित ।

कारगिल के शहीदों को नमन, राजनाथ बोले- हर दुस्साहस का मिलेगा जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कारगिल विजय दिवस 2026 के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक तक आयोजित 13 दिवसीय 'शौर्य विजय यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस यात्रा में सेवारत और सेवानिवृत्त रक्षा बलों के 28 बाइक सवार अपने परिवारों के साथ 1,900 किलोमीटर की दूरी तय कर 1999 के कारगिल युद्ध के वीर सैनिकों के साहस, दृढ़ संकल्प और सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। यात्रा का आदर्श वाक्य 'एक सवारी, एक राष्ट्र, एक सलाम' रखा गया है। राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कारगिल युद्ध के वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि 1999 की विजय भारत के उस अटूट संकल्प

का प्रतीक है कि देश अपनी भूमि, पहचान और सम्मान पर किसी भी शत्रुतापूर्ण दुस्साहस का पूरी शक्ति से जवाब देगा। उन्होंने कहा कि लगभग 20,000 फीट की ऊंचाई और माइनस 40 डिग्री सेल्सियस तक के कठिन मौसम में भारतीय सैनिकों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए दुश्मन के कब्जे से हर चोटी, पहाड़ी और बंकर को वापस हासिल किया और तिरंगे का गौरव कायम रखा। रक्षा मंत्री ने परम वीर चक्र से सम्मानित कप्तान विक्रम बत्रा, लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, सूबेदार मेजर (मानद कप्तान) योगेंद्र सिंह यादव (सेवानिवृत्त) और सूबेदार मेजर (मानद कप्तान) संजय कुमार (सेवानिवृत्त) के योगदान को याद करते हुए कहा कि ये सभी वीर सैनिक देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं और आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। यात्रा के दौरान बाइक सवार चंडीमंदिर युद्ध स्मारक, रेजांग ला युद्ध स्मारक और लेह युद्ध स्मारक सहित कई प्रमुख सैन्य स्मारकों पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इसके अलावा वे वीरांगनाओं से मुलाकात कर उनके साहस और योगदान का सम्मान भी करेंगे। यह अभियान 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल युद्ध स्मारक, द्रास में संपन्न होगा।

स्पेन दौरे पर पीयूष गोयल, व्यापार-निवेश और औद्योगिक साझेदारी मजबूत करने पर जोर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 13 जुलाई, 2026 को अपने आधि ाकारिक स्पेन दौरे की शुरुआत की। यात्रा के पहले दिन उन्होंने भारत–स्पेन आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के उद्देश्य से कई उच्च स्तरीय बैठकों में भाग लिया। दोनों देशों ने व्यापार, निवेश, नवाचार, विनिर्माण और प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ाने के साथ–साथ नए आर्थिक अवसरों की तलाश पर जोर दिया। यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब भारत और स्पेन अपने राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने का उत्सव मना रहे हैं और वर्ष 2026 को भारत–स्पेन द्विभाषी संस्कृति, पर्यटन एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता वर्ष के रूप में मना रहे हैं। पीयूष गोयल ने स्पेन के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं अर्थव्यवस्था, व्यापार और व्यवसाय मंत्री कार्लोस कुएर्पो कैबालेरो से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत बनाने, बाजार पहुंच बढ़ाने, आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने तथा नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, उन्नत विनिर्माण, डिजिटल प्रौद्योगिकी, अवसंरचना और नवाचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर भी विचार–विमर्श किया तथा नए निवेश को बढ़ावा देने के लिए फास्ट ट्रैक तंत्र का प्रभावी उपयोग करने और इस वर्ष के अंत में भारत–स्पेन संयुक्त आयोग की बैठक आयोजित करने पर सहमति जताई। गोयल ने स्पेन के उद्योग एवं पर्यटन मंत्री जोर्डी हेरेउ बोहर से भी मुलाकात की। बैठक में सतत विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, गतिशीलता, उन्नत विनिर्माण, पर्यटन, ऑटोमोटिव, रेलवे और स्मार्ट बुनियादी ढांचे में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने "मेक इन इंडिया" के तहत सी–295 कार्यक्रम को औद्योगिक साझेदारी का सफल उदाहरण बताया और वर्ष 2026 को भारत–स्पेन संस्कृति, पर्यटन एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता वर्ष के रूप में मनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। दौरे का प्रमुख आकर्षण भारत–स्पेन व्यापार मंच रहा।

दतिया का उपचुनाव राजा और रंक के बीच – सीएम मोहन यादव

दतिया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि दतिया का उपचुनाव एक सामान्य चुनाव नहीं रह गया है। दतिया का उपचुनाव राजा और रंक के बीच का चुनाव है। भाजपा उम्मीदवार आशुतोष तिवारी का नामांकन पत्र भरे जाने के बाद दतिया के किला चौक पर आयोजित सभा में मुख्यमंत्री यादव ने कहा

कि कांग्रेस ने राज परिवार से प्रत्याशी मैदान में उतारा है, जबकि भाजपा से गरीब परिवार के सामान्य कार्यकर्ता आशुतोष तिवारी चुनावी मैदान में हैं। कांग्रेस को उनकी जमीन नहीं पता, लेकिन आसमान खरीदने की बात करते हैं मुख्यमंत्री यादव ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में दशकों से गायब हैं। इसके बावजूद भी कांग्रेस पार्टी और उसका गांध ाी परिवार जनता को भ्रम में रखने का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस विकास की बजाय जनता को जाति–धर्म के नाम पर बांटने का कार्य करती है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि दतिया की जनता विकास, सुशासन और भाजपा की कल्याणकारी नीतियों के साथ खड़ी है। आप सभी भाजपा को आशीर्वाद दें, दतिया को प्रगति, समृद्धि के शिखर तक पहुंचाएंगे।

दिल्ली के सभी 250 वार्डों में हनुमान चालीसा का पाठ करेगी आप, अयोध्या चंदा चोरी को लेकर होगी चर्चा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) मंगलवार यानी आज से दिल्ली के सभी 250 वार्डों में हनुमान चालीसा पाठ, राम आरती और हनुमान आरती का आयोजन करेगी। यह कार्यक्रम राजधानी के हर वार्ड में एक साथ आयोजित किया जाएगा। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने इस अभियान की जानकारी दी। इस धार्मिक अनुष्ठान में स्थानीय विधायक, पार्षद और पार्टी कार्यकर्ता शामिल होंगे। धार्मिक आयोजनों के बाद,

पार्टी कार्यकर्ता लोगों के साथ राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर चर्चा करेंगे। वे श्रद्धालुओं के चढ़ावे की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों पर भी बात करेंगे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी के दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की प्रार्थना करना है। आप का यह अभियान राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी के दोषियों को सजा दिलाने पर केंद्रित है। पार्टी चाहती है कि इस मामले में शामिल सभी अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। यह धार्मिक आयोजन एक जन जागरूकता अभियान के रूप में भी काम करेगा। इसका लक्ष्य लोगों को इस महत्वपूर्ण मुद्दे से जोड़ना है। आप इस अभियान के माध यम से धार्मिक भावनाओं को राजनीतिक संदेश के साथ जोड़ रही है। पार्टी का मानना है कि राम मंदिर से जुड़े किसी भी गलत कार्य के खिलाफ आवाज उठाना आवश्यक है। यह आयोजन दिल्ली के सभी वार्डों में एक साथ होने से पार्टी की पहुंच बढ़ेगी। यह अभियान आगामी चुनावों के मद्देनजर भी महत्वपूर्ण हो सकता है।

कर्नाटक में बनेगा भारत का पहला सरकारी एआई विश्वविद्यालय, सीएम शिवकुमार

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार को भारत का पहला सरकारी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विश्वविद्यालय स्थापित करने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने राज्य को जिम्मेदार एआई नवाचार का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम बताया। भारतीय राजनीति बेंगलुरु इंटरनेशनल एग्जीबिशन सेंटर (बीआईईसी) में आयोजित गूगल आईओ कनेक्ट इंडिया 2026 के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित एआई विश्वविद्यालय विश्वस्तरीय एआई प्रतिभाओं को तैयार करने, उन्नत शोध को बढ़ावा देने और शिक्षा,

उद्योग तथा सरकार के बीच सहयोग मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर उन्होंने एआई हब स्थापित करने की भी घोषणा की, जो अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के लिए एक इनक्यूबेशन सेंटर के रूप में कार्य करेगा। यह हब स्टार्टअप्स, कंपनियों, शैक्षणिक संस्थानों और नवाचारकर्ताओं को एक मंच पर लाकर एआई आधारित समाधानों के विकास को गति देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मौजूदा दौर की सबसे बड़ी तकनीकी क्रांति है, जिसकी तुलना भाप इंजन, बिजली, इंटरनेट और मोबाइल तकनीक जैसी ऐतिहासिक तकनीकी क्रांतियों से की जा सकती है। उन्होंने कहा, ष्कर्नाटक का लक्ष्य दुनिया के अग्रणी जिम्मेदार एआई केंद्रों में शामिल होना है। बेंगलुरु केवल भारत की टेक राजधानी नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे जीवंत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र (इनोवेशन इकोसिस्टम) में से एक है।ष शिवकुमार ने बताया कि कर्नाटक भारत के कुल सॉफ्टवेयर निर्यात में लगभग 40 प्रतिशत योगदान देता है। वहीं, बेंगलुरु में 17,000 से अधिक स्टार्टअप्स और हजारों ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स वैश्विक बाजार के लिए तकनीकी उत्पाद विकसित कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य कर्नाटक को एआई–नेटिव राज्य बनाना है।

संपादकीय

आपराधिक लापरवाही का संकेत

मंदिर का प्रशासनिक तंत्र पारदर्शिता और आंतरिक नियंत्रण के मोर्चे पर बुरी तरह विफल रहा। कड़ी सुरक्षा के बावजूद इस तरह के कृत्य का होना आपराधिक मिलीभगत या कम–से–कम आपराधिक लापरवाही का संकेत है। मुकदमा दर्ज होने और आठ लोगों की गिरफ्तारी के साथ इसकी पुष्टि हो गई है कि अयोध्या के राम मंदिर में करोड़ों रुपये की चढ़ावा चोरी हुई। पुलिस ने आरोपियों के ठिकानों से लगभग 80 लाख रुपये बरामद करने का दावा भी किया है। यह मंदिर की पवित्रता को कलंकित करने वाला ऐसा कांड है, जिससे करोड़ों हिंदू श्रद्धालु खुद को ठगा गया महसूस कर रहे हैं। चढ़ावे में हेराफेरी को केवल वित्तीय भ्रष्टाचार का मामला नहीं माना जा सकता, बल्कि यह करोड़ों श्रद्धालुओं साथ घोर विश्वासघात भी है। जिस मंदिर की सुरक्षा को अभेद्य और जहां की निगरानी व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बताया जाता हो, वहां दानपात्रों से चढ़ावे की चोरी ना सिर्फ प्रबंधन की घोर लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि इससे प्रबंधन से जुड़ी बड़ी शख्सियतों की मंशा और ईमानदारी पर भी गंभीर सवाल खड़े होते हैं। अब तक जिन पर मुकदमा दायर हुआ है, वे प्रबंधन से जुड़े कर्मचारी हैं। जैसाकि कई साधु–संतों ने कहा है कि इतना बड़ा घोटाला अदने कर्मचारियों अंजाम दे दें, यह बात गले नहीं उतरती। इसीलिए राम जन्म भूमि न्यास के बड़े पदाधिकारियों की ना सिर्फ नैतिक, बल्कि अन्य रूपों में उनकी जवाबदेही बनती है। यह स्पष्ट है कि मंदिर का प्रशासनिक तंत्र पारदर्शिता और आंतरिक नियंत्रण के मोर्चे पर बुरी तरह विफल रहा। फिर इसकी अनदेखी भी नहीं की जा सकती कि मंदिर के लिए जमीन खरीद से लेकर, चंदे, निर्माण कार्यों, और अब चढ़ावा में घपले और खयानत के इल्जाम लगे हैं। सीसीटीवी कैमरों की निगरानी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद इस तरह के कृत्य का होना वहां आपराधिक मिलीभगत या कम–से–कम आपराधिक लापरवाही का संकेत है। इसलिए इस आशंका में दम है कि कार्रवाई को सतही पड़ताल तक सीमित रखने और या निचले स्तर के कर्मचारियों पर ठीकरा फोड़ कर मामले को निपटा देने की कोशिश हो सकती है। लेकिन जरूर याद रखना चाहिए है कि सभी दोषियों को सख्त सजा नहीं दी गई, तो यह चढ़ावा कांड ना केवल अयोध्या के प्रबंधन, बल्कि धर्म के नाम पर बनी तमाम संस्थाओं की साख को हमेशा के लिए संदिग्ध बना देगा।

3 देशों से भारत के लिए आखिर लाए मोदी

नीरज

करीब एक सप्ताह के विदेश दौरे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब स्वदेश लौट रहे हैं तो ऐसा नहीं लगता कि वह केवल तीन देशों की यात्रा पूरी करके लौटे हैं, बल्कि ऐसा लगता है कि वह दुनिया के सामने नए भारत की ताकत, उसकी बढ़ती हैसियत और उसके उज्ज्वल भविष्य का दमदार परिचय देकर लौटे हैं। हम आपको बता दें कि इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा के दौरान मोदी ने तीनों देशों के साथ रक्षा, व्यापार, शिक्षा, ऊर्जा, तकनीक और समुद्री सुरक्षा जैसे कई अहम समझौते किए। साथ ही उन्होंने दुनिया को यह भी बताया कि आज का भारत सिर्फ बातों से नहीं, बल्कि अपनी मिसाइलों की ताकत, आधुनिक तकनीक, मजबूत अर्थव्यवस्था और विकसित भारत के संकल्प के दम पर नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही तीनों देशों में प्रधानमंत्री का जिस गर्मजोशी और भव्य अंदाज में स्वागत हुआ, उससे भारत की बढ़ती साख की साफ तस्वीर पेश की। इतना ही नहीं, जब मोदी ने वहां बसे भारतीय समुदाय को संबोधित किया तो वहां के शीर्ष नेताओं ने भी उनकी लोकप्रियता और भारतीयों के उत्साह को करीब से देखा। इससे एक बार फिर साफ हो गया कि मोदी की पहचान अब केवल भारत के प्रधानमंत्री तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के प्रभावशाली नेताओं में उनकी छवि लगातार और मजबूत होती जा रही है। सबसे पहले बात न्यूजीलैंड की। यह यात्रा इसलिए भी खास रही क्योंकि करीब 40 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने वहां की आधिकारिक यात्रा की। प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक माओरी रीति से स्वागत किया गया और उसके बाद न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ लंबी बातचीत हुई। इस मुलाकात का सबसे बड़ा फैसला दोनों देशों के रिश्तों को नई रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाना रहा। इसके साथ ही वर्ष 2030 तक दोनों देशों के बीच कारोबार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया। दोनों पक्षों ने मुक्त व्यापार समझौते को जल्द लागू करने पर भी सहमति जताई ताकि दोनों देशों के व्यापारियों और उद्योगों को सीधा लाभ मिल सके। न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान रक्षा और समुद्री सुरक्षा पर कई बड़े कदम उठाए गए। दोनों देशों की नौसेनाएं अब जरूरत पड़ने पर एक दूसरे की रसद सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकेंगी। समुद्र से जुड़ी जानकारियां साझा होंगी, संयुक्त अभ्यास बढ़ेंगे और समुद्री सुरक्षा पर हर साल नियमित बातचीत होगी। आतंकवाद के खिलाफ साझा कार्य समूह बनाने का भी फैसला हुआ जिससे दोनों देश जानकारी साझा कर आतंक के खिलाफ मिलकर काम करेंगे। इसके अलावा भूकंप, सुनामी और दूसरी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन में सहयोग बढ़ेगा। डेयरी और पशुपालन के क्षेत्र में न्यूजीलैंड की आधुनिक तकनीक भारत तक पहुंचेगी। पर्यटन, खेल, संस्कृति, समुद्री विरासत, खाद्य तकनीक और समुद्री अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भी कई समझौते हुए। नागालैंड और उत्तराखंड में कीवी फल के लिए दो उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे ताकि किसानों को बेहतर तकनीक और अधिक उत्पादन का लाभ मिल सके। न्यूजीलैंड ने वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन में शामिल होने का भी फैसला किया। अंटार्कटिका अनुसंधान, खाद्य तकनीक और शिक्षा के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच नए सहयोग का रास्ता खुला है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए न्यूजीलैंड ने अपना समर्थन दोहराया और आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर भी दोनों देश एकमत दिखाई दिए। अब बात ऑस्ट्रेलिया की। मेलबर्न में हुई वार्षिक शिखर बैठक के दौरान दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा सहयोग को नई मजबूती दी। नई संयुक्त रक्षा घोषणा के तहत सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच तालमेल बढ़ाने, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबला, नई तकनीक और समुद्री कानूनों के पालन पर साथ काम करने का फैसला हुआ। समुद्री सुरक्षा के लिए अलग कार्ययोजना बनी और दोनों देशों के तटरक्षक बलों के बीच भी नया समझौता हुआ। ऊर्जा के क्षेत्र में दोनों देशों ने साथ मिलकर काम करने का भरोसा दोहराया। लंबे समय से लंबित असैन्य परमाणु समझौते को पूरी तरह लागू करने का रास्ता साफ हुआ, जिससे

भारत को ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम की आपूर्ति आसान होगी। नई तकनीक, साइबर सुरक्षा और जरूरी आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए भी साझेदारी बनी शिक्षा और कौशल विकास में भी कई महत्वपूर्ण फैसले हुए। खनन क्षेत्र के लिए भुवनेश्वर में उत्कृष्टता केंद्र बनेगा। ऑस्ट्रेलिया के दो प्रमुख विश्वविद्यालय भारत में अपने परिसर खोलेंगे जिससे भारतीय छात्रों को विदेश जाए बिना बेहतर शिक्षा का अवसर मिलेगा। दोनों देशों के कौशल प्रशिक्षण संस्थानों के बीच भी सहयोग बढ़ेगा।

इस यात्रा की एक खास उपलब्धि भारत की प्राचीन धरोहरों की वापसी भी रही। नंदी, भगवान कार्तिकेय और मां काली से जुड़ी तीन दुर्लभ प्राचीन मूर्तियां ऑस्ट्रेलिया ने भारत को लौटाने का फैसला किया। इसके अलावा सौर ऊर्जा, विज्ञान, फिल्म निर्माण, पारंपरिक ज्ञान, खनिज खोज और औषधि अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भी कई नए समझौते हुए। प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे की शुरुआत इंडोनेशिया से हुई जहां दोनों देशों ने अपने पुराने रिश्तों को और मजबूत बनाने का फैसला किया। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच हुई बातचीत में रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, स्वास्थ्य, कृषि, विज्ञान, अंतरिक्ष, ऊर्जा, शिक्षा और संस्कृति जैसे लगभग हर क्षेत्र पर विस्तार से चर्चा हुई। सबसे बड़ी बात यह रही कि दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई देने का फैसला किया। ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली और हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों पर सहयोग बढ़ेगा। समुद्री सुरक्षा, संयुक्त अभ्यास, तटरक्षक बलों के बीच तालमेल और जहाज निर्माण में भी साथ काम होगा। भारत और इंडोनेशिया आतंकवाद के खिलाफ भी मिलकर काम करेंगे और नई तकनीक का गलत इस्तेमाल रोकने पर भी सहयोग बढ़ेगा। व्यापार बढ़ाने, दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति मजबूत करने, इस्पात उद्योग में संयुक्त निवेश करने और दोनों देशों की मुद्राओं में लेन–देन बढ़ाने पर भी सहमति बनी। स्वास्थ्य क्षेत्र में दवाइयों के मानकों, चिकित्सा कर्मचारियों के प्रशिक्षण और खाद्य सुरक्षा पर समझौते हुए। कृषि, उर्वरक, ऊर्जा, दूरसंचार, विज्ञान, अंतरिक्ष अनुसंधान और आपदा प्रबंधन में भी नए समझौते हुए। दोनों देशों ने समुद्री और हवाई संपर्क बढ़ाने, सबांग बंदरगाह के विकास में सहयोग, डिजिटल भुगतान व्यवस्था को मजबूत करने और छोटे कारोबारियों को डिजिटल बाजार से जोड़ने की दिशा में भी कदम बढ़ाया। साथ ही सांस्कृतिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए प्रंबानन मंदिर के संरक्षण कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा और दोनों देशों ने अगले दो वर्षों को गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर और की हजर देवंतरा की सांस्कृतिक स्मृति के रूप में मनाने का फैसला भी किया।

दतिया से शुरू कांग्रेस एकता की नई कहानी

विनायक

एकता और आत्मविश्वास के साथ वापसी की यह कहानी अब दतिया से शुरू हो सकती है। कांग्रेस ने अच्छा कैंडिडेट दिया है। बीजेपी में असंतोष है। और एक नई चीज जो सामान्यतः बीजेपी में नहीं दिखती गुटबाजी वह ऐसी दिख रही है कि पुलिस और प्रशासन को लाठियां, आंसूगैस के गोले, गिरफ्तारियां करनी पड़ी हैं। यहां अगर कांग्रेस एक होकर लड़ी तो प्रदेश की एकता देश के लिए सबक बन जाएगी। समय और कैलेंडर दतिया से मध्य प्रदेश कांग्रेस की एकता की नई कहानी शुरू हो सकती है और अगर मध्यप्रदेश के नेताओं ने यह कर दिखाया तो इसका असर उन राज्यों पर भी पड़ेगा जहां कांग्रेस भारी गुटबाजी से ग्रस्त है। फिलहाल पंजाब गुटबाजी का सबसे बड़ा केन्द्र बना हुआ है। चुनाव में छह महीने से कम का समय बचा है। कांग्रेस की संभावित जीत वाला राज्य है। मगर वहां के नेता विधानसभा जीत से ज्यादा आपस में एक दूसरे पर जीत में लगे हैं। उत्तराखंड का भी यही हाल है। वहां भी अगले साल के शुरू में चुनाव हैं। यहां भी कांग्रेस की स्थिति अच्छी बताई जा रही है। मगर गुटबाजी यहां भी खत्म होने का नाम नहीं ले रही। राजनीति में जीत जरूरी है। और जरूरी क्या सबसे अहम चीज वही है। मध्यप्रदेश के कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने यह समझा है। दतिया उपचुनाव में वह पूरी ताकत लगाए हुए हैं। पहला पड़ाव बेहतर उम्मीदवार को टिकट देकर उन्होंने पार कर लिया है। अच्छी छवि, पार्टी के प्रति वफादारी और सबसे अधिक जीत की संभावना वाले घनश्याम सिंह को उपचुनाव के लिए तैयार कर के जीतू पटवारी ने अपने राजनीतिक कौशल का बेहतरीन परिचय दिया है दतिया राजघराने के वारिस कुंवर घनश्याम सिंह वैसे तो दो बार दतिया से विधायक रह चुके हैं। लेकिन फिर वे जिले की ही दूसरी जनरल सीट सेंवढ़ा पर चले गए थे। वहां 2018 का विधानसभा चुनाव जीते और अब भी वहीं तैयारी में लगे हुए थे। मगर अचानक दतिया से 2023 में जीते कांग्रेस विधायक राजेन्द्र भारती की सदस्यता रद्द होने से यह उप चुनाव कांग्रेस के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बन गया। राजेन्द्र को एक कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई थी। जिसके बाद उनकी विधायकी रद्द कर दी गई और उपचुनाव की घोषणा हो गई। दिल्ली हाई कोर्ट से भी राजेन्द्र को कोई राहत नहीं मिली। इस घटनाक्रम में एक बड़ा मोड़ तब आया जब दतिया से तीन बार से जीत रहे भाजपा के नरोत्तम मिश्रा का टिकट पार्टी ने काट दिया। नरोत्तम के लिए यह एक बड़ा झटका था। अप्रत्याशित। उनके समर्थकों ने रात भर हंगामा किया। नेशनल हाईवे जाम से लेकर गाड़ियों और पुलिस पर पथराव, भाजपा दफ्तर पर कब्जा वहां से पथराव और जिला अध्यक्ष सहित पूरी कार्यकारिणी का इस्तीफा–सब कर लिया। मगर दिल्ली और भोपाल दोनों जगह से नरोत्तम को साफ बता दिया गया कि इस तरह की अनुशासनहीनता और हिंसा के बाद टिकट पर पुनर्विचार संभव ही नहीं है।कांग्रेस के लिए यह सुनहरा मौका बन गया। अगर यहां से कांग्रेस जीत जाती है तो मुख्यमंत्री मोहन यादव की उपचुनाव में यह लगातार दूसरी हार होगी। इससे पहले इसी ग्वालियर चंबल संभाग के विजयपुर विधानसभा उपचुनाव में मोहन यादव के मंत्री रामनिवास रावत को कांग्रेस हरा चुकी है। राजनीति कांग्रेस मध्यप्रदेश में हमेशा से जनता की पहली पसंद रही है। लेकिन पूरे दिल से चुनाव नहीं लड़ना और गुटबाजी के कारण पिछले 23 साल से सत्ता से बाहर है। 2018 के चुनाव में जीत कर सरकार बनाई थी। मगर एक साल बीतते बीतते मुख्यमंत्री कमलनाथ अपने ही नेता को चौलेंज करने लगे कि सड़क पर उतर कर बताओ। ज्योतिरादित्य सिंधिया उतर गए और सरकार गिरा दी। फिर बीजेपी की सरकार आ गई। और 2023 में भी।लेकिन उस समय की एक घटना कांग्रेस के लिए बहुत प्रेरणादाई रही। जब ग्वालियर चंबल संभाग के अधिकांश कांग्रेस विधायक ज्योतिरादित्य के साथ बीजेपी में चले गए। तब घनश्याम सिंह राजपरिवारों के आपसी कनेक्शन और सिंधिया गुट के माने जाने के बाद भी उनके साथ नहीं गए। उस समय सेंवढ़ा से विधायक थे। पार्टी के प्रति उनकी वह वफादारी इस समय कांग्रेस में बहुत सम्मान और अभिमान के साथ याद की जा रही है। दतिया के टिकट के दावेदार कई थे और नरोत्तम का टिकट कट जाने के बाद तो कई लोगों को लग रहा था कि उनकी जीत पक्की है। क्योंकि सब यह संभावना व्यक्त कर रहे थे कि टिकट कटने के बाद उनके लोगों का समर्थन उन्हें मिलेगा। और नरोत्तम भी नहीं चाहेंगे कि भाजपा के जिस नए प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को टिकट दिया गया है, वह जीते। क्योंकि उसकी जीत के साथ यह सीट हमेशा के लिए उनके हाथ से निकल जाएगी। विधान शाखा नरोत्तम पहले दतिया के पड़ोस की विधानसभा सीट डबरा जिला ग्वालियर से लड़ते

थे। वहां से तीन बार विधायक रहे। मगर 2008 के परिसीमन में वह सीट रिजर्व घोषित कर दी गई। ज्योतिरादित्य के साथ जाने वाली इमरती देवी जो अपने सिंधिया समर्थक बयानों के लिए काफी चर्चित रहीं कि उनके कहने से कुएं में कूद जाऊंगी वहीं से विधायक थीं। बहरहाल जिक्र दतिया का हो रहा है जिसके बारे में मशहूर है कि अगर उर्दू में लिखा जाए तो दुनिया से एक नुक्ता (लेटर) ज्यादा आएगा। इसे रियासत टाइम में ऐसे कहा जाता था कि दुनिया से ऊपर है और अपनी स्वतंत्रता स्वाभिमान के मामले में थी भी। ग्वालियर की इतनी बड़ी सिंधिया रियासत कभी अपने प्रभाव में नहीं ले पाई। बगल की झांसी रियासत भी। तो खैर नरोत्तम 2018 में दतिया आ गए। यहां की जनता की तरह नेताओं में भी एक खासियत अतिरिक्त उदारता और मदद करने की भावना रही है। खुद अपना नुकसान उठाने की सीमा तक। भाजपा के उस समय के दतिया के नेताओं ने अपने टिकट की बलि देकर नरोत्तम को यहां जगह दी। मगर समय सारे समीकरण बदल देता है। एक बार पांव जमने के बाद नरोत्तम ने फिर दतिया जिले की वह पूरी भाजपा अपने नियंत्रण में ले ली जिसने उन्हें यहां जगह दी थी। अभी केवल पूरी जिला कार्यकारिणी ही नहीं, चुने हुए नगरपालिका, पंचायत सभी भाजपा के पदाधिकारियों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। भाजपा या इससे पहले जनसंघ के इतिहास में भी ऐसा कभी नहीं हुआ। अब भाजपा को यह साबित करना पड़ रहा है पार्टी से बड़ा कोई नहीं है।

बुर्कीना ने फ्रांस से संबंध तोड़े

डॉ. सुधीर सक्सेना

पश्चिमी अफ्रीकी राष्ट्र बुर्कीना फासो ने फ्रांस से अपने दौत्य–संबंध तोड़ने का ऐलान किया है। कभी फ्रांस का उपनिवेश रहे बुर्कीना की इस कार्रवाई को बुर्कीना फासो की कठोर कार्रवाई के तौर पर देखा जा रहा है। इस बीच यह भी स्पष्ट हो गया है कि बुर्कीना में लोकतंत्र दूर की कौड़ी है और उसे लंबे समय तक फौजी जुंता के अधीन रहना होगा। गत वर्ष के युद्ध में पश्चिमी अफ्रीकी ब्लॉक से संबंध विच्छेद के उपरांत बुर्कीना ने पड़ोसी राष्ट्रों नाइजर और माली के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित कर मस्क्वा–बीजिंग धुरी की ओर पींगे बढ़ाई हैं और हाल में उसकी रूस पर सामरिक निर्भरता बढ़ी है। गौरतलब है कि बुर्कीना, माली और नाइजर पिछले करीब एक दशक इस्लामी उग्रपंथियों की घुसपैठ से जूझ रहे हैं और उनसे मुकाबले के लिये रूसी सहायता पर निर्भर हैं। फ्रांस से इन देशों के रिश्तों में तल्खी लगातार बढ़ती जा रही है और अब नव उपनिवेशवाद को बढ़ावा देने और बुर्कीना के राष्ट्रीय हितों के खिलाफ आचरण का आरोप मढ़कर बुर्कीना ने जुमे के रोज फ्रांस से राजनयिक संबंध तोड़ लिये हैं। बुर्कीना फासो छोटा सा अफ्रीकी राष्ट्र है विशालकाय अफ्रीका महाद्वीप में पश्चिमोत्तर में स्थित भू–आवेष्टित 2.47 लाख वर्ग किमी का लगभग 2.4 करोड़ की आबादी का देश। 65 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है और यह विश्व के चुनींदा निर्धनतम राष्ट्रों में शुमार है। फ्रांस की औपनिवेशक दासता से मुक्त हुये इसे लगभग कुछ दहाइयां ही बीतीं हैं और प्रारंभिक लोकतंत्र के बाद वहां तख्तापलट का इतिहास रहा है। वहां आतंकवादी समूह सक्रिय हैं और आर्थिक विकास के पैमाने पर वह बहुत निचली पायदान पर है। यही बुर्कीना फासो इन दिनों विश्वव्यापी सुर्खियों में है और उसकी सुर्खियों में आने का सबब हैं वहां के 38 वर्षीय युवा राष्ट्रपति इब्राहीम ट्रओरे, जो लगभग चार वर्ष पूर्व कू–दे–ता से सत्ता में आये थे। अपनी रीति और नीति से ट्रओरे पैन–अफ्रीका या अफ्रीकी–अस्मिता के प्रतीक बनकर उभरे हैं। जाहिर है कि वह योरोप और अमेरिका के धनीमानी राष्ट्रों और निओ–इंपीरियलिस्ट ताकतों की आंखों में किरकिरी बनकर खड़क रहे हैं। बिलाशक अपने दुस्साहसिक फैसलों से उन्होंने अमेरिका और फ्रांस जैसे महाबली राष्ट्रों को चुनौती दे डाली है। कभी अपर वोल्टा के नाम से ज्ञात बुर्कीना सन 1896 में फ्रांसीसी दासता के जुएं तले आया। सन 1958 में स्वशासन के हक के बाद इसे सन 1960 में आजादी मिली। इसके बाद का इतिहास अस्थिरता, अकाल, दुर्भिक्षों, तख्तापलट और भ्रष्टाचार की गाथा है। सन 1966, 80, 83 और 87 तथा फिर सन 2022 में दो बार कूदे ता हुये। तख्तापलट के विफल प्रयास सन 1989, 2015 और 2023 में भी देखने को मिली। इनमें उल्लेखनीय रहा सन 1983 में सत्ता में आये थॉमस संकारा का कार्यकाल। संकारा पहले राष्ट्राध्यक्ष थे, जिन्होंने बुर्किना फासो को सुधारों और विकास की राह पर बढ़ाया। सामाजिक–आर्थिक, सुधारों के तहत उन्होंने साक्षरता अभियान, भूमि पुनर्वितरण, 20 लाख से अधिक बच्चों का टीकाकरण, रेल और सड़क निर्माण, सबको शिक्षा जैसी योजनाएं लागू कीं। उन्होंने महिलाओं का खतना, बलात विवाह और बहु विवाह पर पाबंदी लगाई, मगर सन 1987 में ब्लेस कोम्पाओरे के नेतृत्व में सशस्त्र क्रांति में उनका तख्ता पलट कर उनकी हत्या कर दी गयी। ब्लेस की तानाशाही का सन 31 अक्टूबर 2014 को अंत हुआ, लेकिन उसके बाद बुर्किना अग्रवादी इस्लामी गुटों की घुसपैठ और हिंसा में डूब गया, जिसमें दस लाख से अधिक बुर्कीनाबे विस्थापित हुये। फ्रेंचकाल में अपर वोल्टा के तौर पर ज्ञात राष्ट्र को बुर्किना फासो नाम थॉमस संकरा की देन है, जिसका शाब्दिक अर्थ होता है ईमानदारों की धरती। ट्रओरे की पहल पर फ्रेंच फौजियों को निष्कासित कर तीनों उक्त देशों के रंगरूटों को कानून और सुरक्षा का दायित्व सौंपा गया है। हालात का एहसास इससे हो सकता है कि अमेरिका समेत अनेक देशों ने सैलानियों से बुर्कीनो के अंदरूनी भागों की यात्रा नहीं करने को कहा है। देश में यातायात और संचार साधन अत्यल्प हैं। दक्षिण अफ्रीका, माली और घाना के बाद बुर्कीना अफ्रीका का चौथा प्रमुख स्वर्ण उत्पादक राष्ट्र है। सोना, कपास और तिलहन वहां की मुख्य निर्यात वस्तुएं हैं। इनका उत्पादन बढ़ाने के उपक्रमों में तेजी आई है। वैसे बुर्कीनो जवाहरातों का भी निर्यात करता है और वहां के पारंपरिक हस्तशिल्प की विश्व बाजार में अच्छी मांग व प्रतिष्ठा है। ट्रओरे अब इन पर ध्यान केंद्रित करने के साथ ही अधोसंरचना के विकास पर जोर दे रहे हैं। इसमें शक नहीं संकारा ट्रओरे के आदर्श हैं और वह उनकी विरासत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। संकारा ऐसी शख्सियत थे, जिसने मर्सिडीज की बेड़ा बेचकर सस्ती रेनोल्ट को चुना था। उन्होंने अफसरों के वेतन में कटौती कर उनके प्रथम श्रेणी हवाई टिकट और शोफरों के पर पाबंदी लगा दी थी। वह विदेशी वित्त के विरोधी थे और कहते थे कि ही हू फीड्स यू, कंट्रोल्स यू। अफ्रीका केग्वेरा कहे गये संकारा अफ्रीकी राष्ट्रों की एकजुटता चाहते थे, ताकि अफ्रीका का उद्धार हो और वह पश्चिम की गुलामी से मुक्त हो। उन्हें क्यूबा का मॉडल पसंद था।

खामेनेई को जिस शहर में दफनाया गया, उसका कोहिनूर से है कनेक्शन

अभिनय

28 फरवरी के बाद से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कभी शांति दूत बन जाते हैं। कभी दुनिया के सबसे बड़े सेनापति, लेकिन ईरान के मामले में

चित भी मेरी और पट भी मेरी का इरादा रखने वाले ट्रंप की एक न चली। अमेरिका ने ईरान के साथ युद्ध विराम खत्म करके दोबारा हमले की शुरुआत ऐसे समय में की, जब ईरान अयातुल्लाह अली खामनेई को सुपुर्द–ए–खाक करने के लिए एक विश्वस्तर का बड़ा आयोजन शुरू कर चुका था। अमेरिकी अखबार गार्डियन की खबर के अनुसार 6 दिनों के आयोजन में अली खामनेई के तकरीबन 3 करोड़ समर्थकों के शामिल होने की बात सामने आई है। अली खामनेई का पार्थिव शरीर इराक के नजफ हवाई अड्डे से मशहद तक लाया गया। ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को उत्तर–पूर्वी शहर मशहद में सुपुर्द–ए–खाक (दफन) किया गया। यह दफन एक हफ्ते से चल रही उस ऐतिहासिक और लंबी शवयात्रा का अंतिम पड़ाव थी, जो ईरान और इराक के सबसे मुकद्दस (पवित्र) धार्मिक केंद्रों तेहरान, कोम, नजफ और कर्बला की गलियों से गुजरती हुई... आज अपने आखिरी ठिकाने मशहद पहुंची है। ईरान का सबसे पवित्र और दूसरा सबसे बड़ा शहर खामनेई का जन्म भी इसी शहर में हुआ था। मशहद देश के उत्तरपूर्वी कोने में पड़ता है। यह तेहरान से करीब 900 किमी दूर है और खुरासान रजवी प्रांत की राजधानी है। यह अफगानिस्तान और तुर्कमेनिस्तान की सीमाओं के काफी करीब है। इसी वजह से सदियों से यह मध्य एशिया और ईरान के बीच सांस्कृतिक यात्रा और संस्कृति का एक बड़ा केंद्र रहा है। मशहद की आबादी करीब 30 लाख है। लेकिन यहां भीड़ काफी ज्यादा रहती है क्योंकि पर्यटक और तीर्थ यात्री बड़ी संख्या में आते हैं। हर साल दुनिया भर से इतने पर्यटक और तीर्थ यात्री मशहद आते हैं कि कई मौकों पर बाहर से आने वालों की संख्या यहां की मूल आबादी से भी ज्यादा हो जाती है। मशहद का मतलब होता है शहादत की जगह यानी जहां कोई शहीद हुआ हो। शियाओं के आठवें इमाम इमाम रजा यहीं शहीद हुए थे। मशहद पहले सनाबाद नाम की एक बस्ती के रूप में जाना जाता था। इमाम रजा के दफन होने के बाद इसका नाम पड़ा मशद रजवी जो आगे चलकर सिर्फ मशहद रह गया। इमाम रजा का पूरा नाम अली इब्न मूसा अल रजा था। उनका जन्म 765 ईवी में मदीना में हुआ था। नवीं सदी की शुरुआत में अब्बासी खलीफा अल मामून ने उन्हें उत्तराधिकारी घोषित किया और मदीना से खुरासान बुलाया। लेकिन कुछ समय बाद 818 ईसवी में तूस के पास उनकी मृत्यु हो गई। शिया परंपरा का मानना है कि उन्हें जहर देकर शहीद किया गया था। जबकि कुछ ऐतिहासिक स्रोत इसे स्वाभाविक मृत्यु भी बताते हैं। इसी कारण इस स्थान को मशहद यानी शहादत की जगह कहा जाने लगा। बाद में यहीं उनकी मजार बनी और उसके चारों ओर धीरे–धीरे आज का मशहद शहर विकसित हुआ। मशहद... जो ईरान में शिया मुसलमानों के सबसे पवित्र धार्मिक स्थल, इमाम रजा दरगाह का घर है। यह वही पावन दरगाह है जहाँ शिया इस्लाम के आठवें इमाम, इमाम रजा का मकबरा है जो ईरान की सरजमीं पर दफन होने वाले इकलौते शिया इमाम हैं। ऐसे में इसी पाक दरगाह के साए में अयातुल्ला खामेनेई को सुपुर्द–ए–खाक किया जाना... न सिर्फ बेहद गहरा धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि उनके पूरे जीवन और उनकी विरासत को हमेशा–हमेशा के लिए शिया इस्लाम के इस सबसे पवित्र मुकाम से जोड़ देता है। इमाम रजा श्राइन ईरान की कई जानी–मानी हस्तियों के लिए भी अंतिम विश्राम स्थल बन गया है। 2024 में हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत के बाद पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी को वहीं दफनाया गया था। इस श्राइन में खामेनेई को दफनाने जाने से इस्लामिक रिपब्लिक के नेताओं के लिए एक प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण विश्राम स्थल के तौर पर इसकी अहमियत और बढ़ जाती है।

इस्लाम में आम तौर पर शव को जल्द से जल्द, अक्सर 24 घंटे के भीतर दफना दिया जाता है। इसलिए खामेनेई के अंतिम संस्कार में हुई देरी बहुत असामान्य थी। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि उनकी हत्या के बाद देश की सुरक्षा स्थिति को देखते हुए अंतिम संस्कार को टाल दिया गया था। खामेनेई की मौत का कारण बने हमले उस समय हुए जब ईरान, अमेरिका और इजराइल के बीच जबरदस्त सैन्य टकराव चल रहा था। अधिकारियों का तर्क था कि हमले के तुरंत बाद बड़े पैमाने पर सार्वजनिक अंतिम संस्कार करने से सुरक्षा का गंभीर खतरा पैदा हो सकता था, क्योंकि लाखों शोक मनाने वाले लोग और हमलों की चपेट में आ सकते थे। साथ ही, अधिकारियों को देश के भीतर अशांति का भी सामना करना पड़ रहा था जहाँ एक तरफ उनके समर्थक शोक मना रहे थे, वहीं सरकार–विरोधी समूह उनकी मौत का जश्न मना रहे थे, जिससे सुरक्षा से जुड़ी और चुनौतियां पैदा हो गईं थीं। जून में एक नाजुक युद्धविराम समझौता होने के बाद ही ईरानी अधिकारियों ने देश भर में अंतिम संस्कार के कार्यक्रम आयोजित किए। इतनी लंबी देरी की वजह से यह अटकलें भी लगने लगीं कि खामेनेई का शव कहाँ रखा गया था। ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार, चार महीने की इस पूरी अवधि के दौरान उनके शव को सुरक्षित और तापमान–नियंत्रित मेडिकल रेफ्रिजरेशन सुविधा में रखा गया था। केमिकल एम्बामिंग (रसायनों से शव को सुरक्षित रखने की प्रक्रिया) के विपरीत, जिसे आमतौर पर इस्लामी परंपराओं में सही नहीं माना जाता, रेफ्रिजरेशन से शव में कोई बदलाव किए बिना उसे सुरक्षित रखा जा सकता है। जानकारों का कहना है कि शिया इस्लामी कानून युद्ध या राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे जैसी असाधारण स्थितियों में शव को दफनाने में देरी करने और उसे कोल्ड स्टोरेज में रखने की इजाजत देता है। इससे ईरानी अधिकारियों को धार्मिक नियमों का पालन करते हुए खामेनेई के शव को सुरक्षित रखने में मदद मिली। खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्में सात दिनों तक चलीं और आज मशहद में दफनाए जाने से पहले कई शहरों से गुजरीं। 18वीं सदी में ईरान के बादशाह नादिर शाह जिसे ईरान का नेपोलियन भी कहा जाता था। उसने मशहद को अपनी राजधानी बनाया। नादिर शाह वही बादशाह है जिसने 1739 में दिल्ली पर हमला किया था और कोहिनूर हीरा लूट कर अपने साथ ले गया था।

संक्षिप्त खबरें

डॉ. राजेश्वर सिंह ने किया बैंक ऑफ महाराष्ट्र की शाखा का उद्घाटन

लखनऊ, (संवाददाता)। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र की सेक्टर–4, वृंदावन योजना शाखा का सोमवार को उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि बैंक किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की वित्तीय रीढ़ होते हैं। बैंक ऑफ महाराष्ट्र का गैरनिष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) मात्र 0.13 फीसदी है, जो देशभर में सबसे कम है। उन्होंने बैंक की जिम्मेदार ऋण प्रदान प्रक्रिया की सराहना की। उन्होंने बैंक के लगभग साढ़े छह लाख करोड़ रुपये के कारोबार को बैंक की क्षमता और विश्वसनीयता का प्रमाण बताया। कार्यक्रम के दौरान गोविंद सिंह, दीवाकर पांडे, अजय कुमार मौर्य, ममता यादव और रिद्धि पांडेय को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत स्वीकृति पत्र दिए गए।

कहासुनी के बाद युवती ने दो सहेलियों पर चढ़ाई कार, एक का पैर टूटा

लखनऊ, (संवाददाता)। गोमतीनगर के समता मूलक चौराहे पर रविवार शाम मामूली कहासुनी के बाद युवती ने स्कूटी सवार दो सहेलियों पर कार चढ़ा दी। हादसे में स्कूटी सवार नैना सिंह (27) गंभीर रूप से घायल हो गईं, जबकि उनकी स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई। उनकी मां बबिता सिंह ने कार सवार युवती के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। अलीगंज निवासी बबिता सिंह के अनुसार, उनकी बेटी नैना सहेली के साथ स्कूटी से जा रही थी। इसी दौरान कार सवार युवती से कहासुनी हो गई। आरोप है कि युवती ने धमकी देने के बाद पीछे से टक्कर मारते हुए स्कूटी पर कार चढ़ा दी। हादसे में नैना कार के नीचे दब गईं। मौके पर मौजूद लोगों ने कार हटाकर उन्हें बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के मुताबिक नैना की बाईं टांग दो जगह से टूट गई है। शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। आरोप है कि कार चला रही युवती नशे में थी। कार में शराब की बोतलें भी थीं। इंस्पेक्टर बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि कार कब्जे में लेकर मामले की जांच की जा रही है।

हलवासिया और कई अन्य इलाकों की बिजली गुल

लखनऊ, (संवाददाता)। सोमवार को हजरतगंज के हलवासिया मार्केट समेत कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। गहरू उपकेंद्र से नीवा क्षेत्र की बिजली आपूर्ति में भी व्यवधान आया। उपकेंद्र कर्मियों ने बताया कि हनुमान सेतु उपकेंद्र से 11 केवी फीडर में सुबह फॉल्ट आने के कारण हलवासिया मार्केट और आसपास के इलाके में करीब एक घंटे तक बिजली संकट रहा। रविवार रात को हुसैनगंज उपकेंद्र से वीरनगर की बिजली भी 40 मिनट तक गुल रही। जवाहर भवन उपकेंद्र से वाईएमसीए और राणा प्रताप मार्ग, निरालानगर उपकेंद्र से एलडीए फीडर और उतरेठिया उपकेंद्र से सरस्वतीपुरम सहित आसपास के क्षेत्रों में एक–एक घंटे तक बिजली बाधित रही। अहिबरनपुर उपकेंद्र के खदरा फीडर की बिजली भी रविवार रात को एक घंटे तक बाधित रही। इसी उपकेंद्र के आलोकनगर और अनुभूति अपार्टमेंट की बिजली सोमवार को सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक नए फीडर को चालू करने के लिए बंद की गई थी। इसके अलावा, रविवार को महिला पॉलीटेक्निक की नेवादा और अंबेडकर उपकेंद्र की पीजीआई से 33 केवी लाइन में फॉल्ट आया था।

मुख्यमंत्री ने जहां रोपे थे पौधे, वहां भरा पानी

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुकरैल वन क्षेत्र स्थित महर्षि चरक औषधीय वन में पौधरोपण किया था। विश्व पर्यावरण दिवस पर रोपे गए इन पौधों के चारों ओर पानी भर गया है। इस जलभराव के कारण करीब 200 पौधों के सड़ने और गलने का संकट खड़ा हो गया है। स्वास्थ्य, चिकित्सा और आयुर्वेद को ध्यान में रखते हुए इस औषधीय वन में विशेष प्रजाति के पौधे लगाए गए थे। इनमें नीम, आंवला, अर्जुन, बहेड़ा, अशोक, सहजन, कढ़ी पत्ता और बेल सहित अन्य औषधीय पौधे शामिल हैं। करीब एक बीघे में किए गए इस पौधरोपण से पहले जमीन को सही तरीके से समतल नहीं किया गया था। ढलान की वजह से बारिश के पानी की निकासी नहीं हो सकी और वहां जलभराव हो गया है। वन की देखरेख कर रहे कर्मचारी ने बताया कि पानी भरने से पौधों की जड़ें सड़ने लगी हैं। जलभराव के कारण पौधों की जड़ों तक ऑक्सीजन सही तरीके से नहीं पहुंच पा रही है, जिससे छोटे पौधे नष्ट हो रहे हैं। हालांकि, सूख चुके पौधों की जगह नए पौधे लगाए जा रहे हैं ताकि औषधीय वन में पौधों की संख्या कम न हो। डीएफओ सितांशु पांडेय के अनुसार, औषधीय वन की नियमित देखरेख की जा रही है। वहां पानी न जमा हो, इसके लिए व्यवस्था की जाएगी।

ब्लूटूथ से नकल करता अभ्यर्थी गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। मानकनगर स्थित रेलवे इंटर कॉलेज में सहायक बोरिंग टेक्नीशियन की परीक्षा के दौरान ब्लूटूथ डिवाइस से नकल करता अभ्यर्थी पकड़ा गया। आरोपी ब्रजेश यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। केंद्र व्यवस्थापक डॉ. एमके. सिद्दीकी के अनुसार, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की मुख्य परीक्षा के दौरान जौनपुर के जरासी चंदवक निवासी ब्रजेश यादव के कान में ब्लूटूथ और हाथ में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस मिली। पूछताछ में उसने बताया कि परीक्षा शुरू होने से पहले उसने बाथरूम में ब्लूटूथ और डिवाइस छिपा दी थी। चेकिंग के बाद वह दोबारा बाथरूम गया और ब्लूटूथ और डिवाइस निकालकर परीक्षा कक्ष में पहुंच गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि जांच में सामने आया कि वह केंद्र के बाहर मौजूद अपने सॉल्वर साथी की मदद से प्रश्न पत्र हल कर रहा था। पुलिस सॉल्वर की तलाश में लगी है।

लापता युवक का बाराबंकी में मिला था लहूलुहान शव

लखनऊ, (संवाददाता)। सआदतगंज के बीबीगंज चिकमंडी निवासी इंटर के छात्र मोहम्मद सैफ (18) के लापता होने का मामला 28 दिन बाद नया मोड़ ले गया। पुलिस ने परिजनों को बताया कि सैफ की 14 जून की रात बाराबंकी के सफेदाबाद में सड़क हादसे में मौत हो गई थी। पहचान न होने पर पुलिस ने शव का अंतिम संस्कार करा दिया था। अब सैफ के पिता ने उसके दोस्त समेत तीन लोगों के खिलाफ अपहरण और हत्या की एफआईआर दर्ज कराई है। सैफ की मां यास्मीन बानो ने 17 जून को बेटे की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पिता मोहम्मद आसिफ के अनुसार, 14 जून की शाम करीब छह बजे सैफ घर से निकला था। काफी तलाश के बावजूद उसका कोई पता नहीं चला। 28 दिन बाद पुलिस ने जानकारी दी कि डिवाइडर से बाइक टकराने से सैफ की मौत हो गई थी।

उचौरा गांव में विद्युत विभाग के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में बक्शा थाना क्षेत्र के उचौरा सोनकर बस्ती और आसपास के लोगों ने विद्युत विभाग के खिलाफ मंगलवार को जमकर विरोध प्रदर्शन किया। सवंसा पावर हाउस उपकेंद्र से लगातार बिजली कटौती, फाल्ट और खराब सेवा से परेशान होकर उपभोक्ताओं ने बिजली के मीटर उखाड़ दिए और विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि सवंसा पावर हाउस उपकेंद्र से लगातार बिजली कटौती और फाल्ट की समस्या बनी हुई है। गांव में दो मेन फेस लाइन की आपूर्ति होने के कारण लगातार फाल्ट होते रहते हैं, जिससे लोग काफी परेशान हैं। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि बिजली फाल्ट होने पर बिना पैसे लिए मरम्मत नहीं की जाती है। बक्शा विद्युत उपकेंद्र के कर्मचारी और अधिकारी, यहां तक कि जेई भी फोन नहीं उठाते, जिससे समस्याओं का समाधान समय पर नहीं हो पाता। कई बार शिकायतें दर्ज कराई गईं, लेकिन मौके पर समाधान नहीं हुआ और शिकायतों को गलत तरीके से निस्तारित कर दिया गया। विरोध प्रदर्शन कर रहे साहिल सोनकर और बबलू सोनकर ने बताया कि उन्होंने जेई को फोन किया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। लाइनमैन बुलबुल पर उपभोक्ताओं के फोन नंबर ब्लैकलिस्ट करने का आरोप भी लगाया गया। उनका कहना है कि फाल्ट होने पर बिना पैसे लिए मरम्मत नहीं की जाती। प्रदर्शनकारियों ने यह भी बताया कि मेन फेस लाइन के तार जर्जर हो चुके हैं, कई बार टूट कर गिर गया है जिससे लगातार फाल्ट होते हैं और तार गिरने का खतरा बना रहता है। इस समस्या से लगभग 45 घरों को विद्युत आपूर्ति में काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। इस विरोध प्रदर्शन में बबलू सोनकर, साहिल सोनकर, आकाश सोनकर, प्रदीप सोनकर, सुनील सोनकर, सुकेश सोनकर, सिकंदर सोनकर, विशाल सोनकर, रमेश यादव, हौसिला देवी, बिंदा देवी, बबना देवी, कुमारी देवी, हंसा देवी सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

किसानों की समस्याओं को लेकर अपना दल (कमेरावादी) का प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मंगलवार को अपना दल (कमेरावादी) के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में एक दिवसीय प्रदेशव्यापी धरना–प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष राम चंदर पटेल के नेतृत्व में आयोजित प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह को सौंपकर किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि धान की रोपाई के महत्वपूर्ण समय में किसान पानी और खाद की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकार इन मूलभूत समस्याओं के समाधान में पूरी तरह विफल रही है। पार्टी ने आरोप लगाया कि किसानों को समय पर सिंचाई और उर्वरक उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं, जिससे उनकी खेती प्रभावित हो रही है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल में एथेनॉल की मिलावट, बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में किसान, युवा और बेरोजगार सभी वर्ग परेशान हैं तथा कानून–व्यवस्था की स्थिति भी चिंताजनक बनी हुई है। उन्होंने चोरी, लूट, हत्या और डकैती जैसी घटनाओं का उल्लेख करते हुए प्रदेश सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए। कार्यकर्ताओं ने सरकार से किसानों की समस्याओं का तत्काल समाधान करने, खाद एवं पानी की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा महंगाई और बेरोजगारी पर प्रभावी कदम उठाने की मांग की। इस अवसर पर अखिलेश सिंह, दीनानाथ सरोज, राम सिंगार पटेल, रामचंद्र पटेल, अवधेश सरोज, तेजलाल पटेल, शारदा पटेल, हेमा पटेल, रागनी गौतम, तीर्थराज सरोज, चंद्रमणि पटेल, अमर लक्ष्मी सरोज, संगीता गौतम, हरिप्रसाद सरोज, डॉ. लालजी पटेल, प्रमोद पटेल, सुनील पटेल सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जगन्नाथ धाम में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, रथ यात्रा की तैयारियां पूरी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जौनपुर के श्री जगन्नाथ धाम रासमंडल में आषाढ़ कृष्ण अमावस्या के अवसर पर मंगलवार को भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र और देवी सुभद्रा का पारंपरिक विधि–विधान से स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जनपद के वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम ने धार्मिक परंपरा के अनुसार तीनों विग्रहों का परीक्षण कर उनके स्वास्थ्य का आकलन किया। मुख्य चिकित्सक डॉ. रजनीकांत द्विवेदी ने बताया कि ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा के स्नान पूर्णिमा महोत्सव में अधिक स्नान कराने के कारण तीनों विग्रह पिछले 15 दिनों से अस्वस्थ माने जाते हैं। आषाढ़ कृष्ण प्रतिपदा से अमावस्या तक भगवान के ज्वरग्रस्त रहने की परंपरा के अनुसार इस अवधि में उन्हें विभिन्न औषधीय काढ़ों का भोग अर्पित किया गया। इस दौरान आम श्रद्धालुओं के लिए भगवान के दर्शन भी बंद रहे। स्वास्थ्य परीक्षण में डॉ. रजनीश श्रीवास्तव, डॉ. स्मिता श्रीवास्तव, डॉ. अजीत कपूर, डॉ. अशोक अस्थाना, डॉ. शैलेश कुमार सिंह, डॉ. आलोक यादव और डॉ. स्वाति यादव सहित वरिष्ठ चिकित्सकों ने भाग लिया। स्वास्थ्य परीक्षण के उपरांत मंदिर प्रशासन ने बताया कि बुधवार को भगवान को परवल के जूस का भोग अर्पित किया जाएगा। इसके बाद गुरुवार को राजसी खिचड़ी का प्रसाद अर्पित होगा। तत्पश्चात भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र और देवी सुभद्रा भव्य रथ पर आरूढ़ होकर नगर भ्रमण करेंगे तथा श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। यह आयोजन पारंपरिक रथ यात्रा महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अर्चक पंडित दिनेश चंद्र द्विवेदी, रथ यात्रा समिति के अध्यक्ष शशांक सिंह रानू, कोषाध्यक्ष शिव शंकर साहू, महामंत्री राजेश गुप्ता, निशाकांत द्विवेदी, रत्नेश सिंह, प्रबंधक सीए संजय गुप्ता, संतोष गुप्ता, दिनेश राय, दयाशंकर निगम, दिनेश प्रकाश कपूर, मनोज मिश्रा, नीरज श्रीवास्तव, आशुतोष मिश्रा सहित मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

ट्रस्ट ने पाई चंपत-अनिल मिश्रा से मुक्ति, वेबसाइट से हटा विवरण, कृष्ण मोहन होंगे नए महासचिव

लखनऊ, (संवाददाता)। चढ़ावा चोरी के मामले में घिरे रहे चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे मंजूर होने के बाद सोमवार को अब उनकी पूरी डिटेल ट्रस्ट की वेबसाइट से भी हटा दी गई। वेबसाइट पर सिर्फ ट्रस्ट के 12 पदाधिकारियों व सदस्यों का विवरण उपलब्ध है। एक तरह से अब दोनों का कनेक्शन ट्रस्ट से पूरी तरह से कट चुका है। प्रकरण में 26 जून को चंपत राय ने महासचिव व अनिल मिश्रा ने सदस्य के पद से इस्तीफा दिया था। 27 जून को ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष ने इसकी पुष्टि की थी। छह जुलाई को हुई ट्रस्ट की बैठक में दोनों के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए थे। उसके बाद से चंपत व अनिल ने मंदिर आना बंद कर दिया है। लेकिन अब तक वेबसाइट अपडेट नहीं हुई थी। सोमवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की वेबसाइट अपडेट कर दी गई। जिसके बाद इन दोनों के नाम, फोटो व अन्य विवरण हटा दिया गया है। अब सिर्फ उसमें 12 पदाधिकारियों व सदस्यों का ही विवरण मौजूद है। इसमें ट्रस्ट के अध्यक्ष, महंत नृत्य गोपाल दास, अंतरिम महासचिव कृष्णमोहन, कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी व सदस्य पद्मश्री के. परासरण, स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती महाराज, स्वामी विश्वप्रशन्नतीर्थ, परमानंद गिरी, दिनेंद्र दास के अलावा चार पदेन सदस्य, नृपेंद्र मिश्रा (निर्माण समिति अध्यक्ष), आईएएस प्रशांत लोखंडे, आईएएस संजय प्रसाद व डीएम अयोध्या शशांक त्रिपाठी शामिल हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में संगठनात्मक बदलाव का दौर जारी है।

बच्चे देश के भविष्य उनके पढ़ाई के साथ लापरवाही न करें शिक्षक : राकेश अहिर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश अहीर ने प्राथमिक विद्यालय पसेवा बस्ती में दो दर्जन से अधिक बच्चों को पठन–पाठन सामग्री वितरित किया। बच्चों को मेहनत से पढ़ाई लिखाई के लिए प्रेरित किया और शिक्षकों को नसीहत देते हुए कहा कि बच्चे ही देश के भविष्य हैं ,उनके प्रति किसी तरह की लापरवाही ना करें। मेहनत से निष्ठा से उनकी पढ़ाई करवाया जाया समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश अहीर ने मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार कंपोजिट प्राथमिकध्माध्यमिक विद्यालय बंद कर रही हैं शिक्षा के प्रति अच्छे काम नहीं कर रही हैं । गरीब असहाय सुविधाओ से उपेक्षित बच्चों के पठन–पाठन के साथ खिलवाड़ कर रही है । उन्होंने कहा कि अब कंपोजिट मदिरा की दुकानों को बढ़ावा दे रही है। शिक्षा स्वास्थ्य चिकित्सा पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। क्योंकि सत्ता में बैठे लोगों के बच्चे हाई–फाई संस्थानों में पढ़ाई कर रहे हैं और यहां गरीबों असहाय मजदूरों के बच्चों की शिक्षा छीनी जा रही है ,जिसके लिए लोगों को जागना होगा, लड़ना होगा। इस अवसर पर उन्होंने दो दर्जन से अधिक बच्चों को मिठाई खिलाकर पठन–पाठन सामग्री वितरित किया और उन्हें अच्छी शिक्षा के प्रति प्रेरित किया । संचालन हेडमास्टर राजेश कुमार ने किया। इस मौके पर झारखंडे, मीना कुमारी, सरोज यादव, ज्योति यादव, रेखा मौर्य, अनीता देवी, हंसा देवी मौजूद रही।

डिलीवरी के दौरान प्रसूता की मौत, अस्पताल में हंगामाय डॉक्टर और संचालक फरार, जांच में जुटी पुलिस

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । यूपी के जौनपुर के केराकत कोतवाली थाना क्षेत्र के नाऊपुर (थाना गद्दी) स्थित लाइफ केयर हॉस्पिटल मल्टी स्पेशलिटी एंड ट्रॉमा सेंटर में मंगलवार को डिलीवरी के दौरान एक प्रसूता की मौत हो जाने से हड़कंप मच गया। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के बुद्धू बनवासी की पत्नी रेखा को प्रसव के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डिलीवरी के दौरान उसकी हालत अचानक बिगड़ गई। परिजनों का आरोप है कि स्थिति गंभीर होने के बावजूद अस्पताल के डॉक्टरों ने समय रहते उचित उपचार नहीं किया, जिसके चलते रेखा की मौत हो गई। हालांकि नवजात शिशु सुरक्षित बताया जा रहा है। प्रसूता की मौत की खबर मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। परिजनों का कहना है कि घटना के बाद अस्पताल के डॉक्टर और संचालक अस्पताल छोड़कर फरार हो गए। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। पुलिस ने अस्पताल से संबंधित जानकारी जुटाते हुए जांच शुरू कर दी है। वही इस मामले में जानकारी लेने पर क्षेत्राधिकारी केराकत अजय कुमार राय का कहना है कि परिजनों की तहरीर और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। वही इस मामले में जानकारी लेने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ गंगा राम ने बताया कि घटना की जांच के टीम गठित कर दिया गया है टीम जांच कर जो रिपोर्ट देगी उसपर कार्यवाही किया जाएगा। हॉस्पिटल हमारे यहां रजिस्टर्ड है। परिजनों के क्या आरोप है ये जाच के बाद पता चल पाएगा जो भी होगा उसपर कार्यवाही किया जाएगा।

मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ में एडवांस्ड लीडलेस पेसमेकर प्रक्रिया से 67 वर्षीय मरीज की जान बचाई

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। दिल के इलाज की एडवांस्ड प्रक्रिया के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ के डॉक्टरों ने गंभीर हृदय संबंधी समस्या से जूझ रहे 67 वर्षीय मरीज की ड्यूएल चौंबर लीडलेस पेसमेकर प्रक्रिया के जरिए सफलतापूर्वक जान बचाई। मरीज को सीने में असहजता और धड़कन तेज होने की शिकायत थी। साथ ही पिछले 3 दिनों से उन्हें बार बार बेहोशी आ रही थी। इसके बाद उन्हें मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ के इमरजेंसी विभाग में लाया गया। भर्ती के बाद की गई पूरी जांच में पता चला कि मरीज सिक साइनस सिंड्रोम से पीड़ित हैं। यह ऐसी स्थिति है, जिसमें दिल का प्राकृतिक पेसमेकर सामान्य रूप से धड़कन बनाए रखने में सक्षम नहीं होता। इस मुश्किल मामले को देखते हुए मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ के डायरेक्टर एवं यूनिट हेड, कार्डियोलॉजी, डॉ. दानिश हसन काजमी के नेतृत्व में कार्डियोलॉजी टीम ने एक आधुनिक और कम चीरे वाली तकनीक को चुना। इसके तहत एवीईआईआर डीआर ड्यूएल चौंबर लीडलेस पेसमेकर लगाया गया। इस मामले पर जानकारी देते हुए डॉ. दानिश हसन काजमी ने कहा, ष्मरीज सक्रिय जीवनशैली जीते हैं और उन्हें बाहर घूमना तथा तैराकी करना पसंद है। ऐसे में पारंपरिक पेसमेकर से जुड़ी सीमाओं, जैसे सीने पर चीरा

लगना, सीने पर उपकरण का दिखाई देना और रोजमर्रा की गतिविधियों पर लगने वाली रोक को लेकर वह चिंतित थे। पारंपरिक पेसमेकर में सीने पर चीरा लगाकर तारों के जरिए उपकरण को दिल से जोड़ा जाता है, जबकि इस आधुनिक तकनीक में पेसमेकर को कैथेटर के जरिए लगाया जाता है। इससे सर्जरी के लिए चीरा लगाने या टांके लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। इस तकनीक के फायदों के बारे में बताते हुए डॉ. काजमी ने आगे कहा, ष्एवीईआईआर डीआर दिल की धड़कन से जुड़ी समस्याओं के इलाज में एक बड़ी प्रगति है। यह तकनीक बिना तारों और बिना सर्जिकल पॉकेट के फिजियोलॉजिकल ड्यूल चौंबर पेसिंग उपलब्ध कराती है। इससे प्रक्रिया के दौरान होने वाली दिक्कतों का जोखिम कम होता है और मरीज पहले की तुलना में कहीं जल्दी अपनी सामान्य दिनचर्या में लौट सकता है। हमें गर्व है कि अब लखनऊ के मरीजों को भी यह एडवांस्ड तकनीक उपलब्ध हो रही है। पेसमेकर लगाने की प्रक्रिया बिना किसी दिक्कत के सफलतापूर्वक पूरी की गई और मरीज को अगले ही दिन पूरी तरह चलने फिरने की स्थिति में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। सीने पर किसी तरह का निशान, उभार या पेसिंग के तार न होने के कारण वह बिना किसी रोक के अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में लौट सके। इस सफल प्रक्रिया के साथ मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ ने एक और बड़ी चिकित्सीय सफलता हासिल की है। इससे क्षेत्र में एडवांस्ड कार्डियक इंटरवेंशन के प्रमुख केंद्र के रूप में अस्पताल की पहचान और मजबूत हुई है।

ई–20 के शोर में भी नहीं बढ़ी प्रीमियम पेट्रोल की बिक्री, एक्सपी–100 की कीमत 160 रुपये प्रति लीटर

लखनऊ, (संवाददाता)। देशभर में ई–20 पेट्रोल (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित) को लेकर बहस और वाहन मालिकों की आशंकाओं के बीच लोगों की पसंद में बड़ा बदलाव नहीं है। लखनऊ में प्रमुख तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल के 1 से 9 जुलाई 2026 तक के बिक्री आंकड़े बताते हैं कि अब भी सबसे ज्यादा मांग सामान्य पेट्रोल की ही है। दूसरी ओर प्रीमियम श्रेणी के एक्सपी–95 की हिस्सेदारी सीमित है, जबकि शुद्ध पेट्रोल एक्सपी–100 की बिक्री न के बराबर है। आंकड़ों के अनुसार, नौ दिनों में लखनऊ में 27,22,000 लीटर साधारण पेट्रोल और 1,13,000 लीटर एक्सपी–95 बिका है। एक्सपी–100 की बिक्री नौ दिनों में शून्य रही। दूसरे शब्दों में कहें तो कुल बिक्री में साधारण पेट्रोल की हिस्सेदारी करीब 96 फीसदी, एक्सपी–95 की करीब 4 फीसदी है।

झूलेलाल चालीहा महोत्सव (40 दिवसीय) संत नवल राम दरबार में कलश पूजा व आरती के साथ हुआ आगाज

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।संत नवल राम दरबार में विधिविधान के साथ कलश स्थापना व प्रभु झूलेलाल की 40 दिनों तक जलने वाली अखंड ज्योति को प्रज्वलित कर प्रतिदिन रात्रि 8.30 से 9 बजे तक आरती का श्रद्धापूर्वक प्रारंभ महाराज स्वामी सुरेश शर्मा द्वारा विधि विधान के साथ पूजन व कलश स्थापना की गई उक्त अवसर पर संस्था संरक्षक ओम प्रकाश अंदानी, अध्यक्ष अमृत राजपाल, संत नवल राम दरबार के मुखिया सुनील रामानी, रामकुमार राजपाल, सपना राजपाल ,सेवादारी दिलीप कुमार रहे। संस्था अध्यक्ष व पूर्व मंत्री अमृत राजपाल ने कहा कि प्रभु झूलेलाल जी की आरती 40 दिनों तक श्रद्धा भाव व प्रेम पूर्वक मनाई जायेगी और देश की सुख समृद्धि की कामना की एवं चालीहा महोत्सव को प्रदेश व विदेश का सिंधी समाज आदर सम्मान के साथ मनाता है और यह मान्यता है कि पावन चालिस दिनों में श्रद्धापूर्वक जो पूजन आरती करता है उसकी सभी मनोकामना पूरी होती है।संस्था संरक्षक ओम प्रकाश अदानी ने कहा कि चालीस दिनों तक चलने वाले इस महापर्व में बहिराणा साहिब का निर्माण निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले स्व.नारायण दास वासवानी(महोत्सव में पूर्व में महाराणा प्रताप की भूमिका) के पुत्र राजेश वासवानी व शंकर (गोल्डी)वासवानी द्वारा अनेकों वर्षो तक सेवा हेतु एवं भक्ति भाव से भजन का कार्यक्रम प्रतिदिन संत भावन दास कपिल हासानी,दर्शन अन्दानी ,राजकुमारष्राजूष दर्शु,द्वारा किया जाता है एवं प्रसाद वितरण सेवा मनीष मध्यान,कमल रावलानी,सुरेश कुमार भारतीय, राजेश जसवानी,वैभव दसवानी, दीपक रामानी, योगेश रामानी, ओम रामानी, संजय भारतीय, एकांत मेघानी, कैलाश भारतीय, प्रांशुल रावलानी आदि द्वारा की जाती है उसके लिए सस्था की ओर से सभी का आभार व्यक्त किया।संत नवल राम दरबार के मुखिया व सिंधु सेवा समिति के सदस्य सुनील रामानी ने कहा कि तन मन धन से सभी सेवादारी 40 दिनों तक सेवा में लगे रहते है और सिंधी समाज सामूहिक पूजन अर्चन करता है।आरती के प्रथम दिवस पर मुख्य रूप से सेंट्रल पंचायत शहर के मुखिया पवन जीवानी,मुखिया राज कुमार जीवानी,मुखिया देव कुमार क्षेत्रपाल,मुखिया मध्यानष्सुखीष,संरक्षक मोहन मध्यान,संरक्षक कमलेश केवलानी,उपाध्यक्ष जय प्रकाश क्षेत्रपाल,उपाध्यक्ष सुरेश पंजवानी,मुखिया धर्मपाल रावलानी,मुखिया रोशन तोलानी,मुखिया धनेश बजाज,महामंत्री नरेंद्र क्षेत्रपाल,मुखिया राजकुमार जीवानी,कोषाध्यक्ष सुनील मध्यान,उमेश जीवानी,उपमंत्री राजकुमार रामानी, अजय कटारा,नारायण दास केवल रामानी ,उपमंत्री पुरूषोतम दासवानी, राजू गाइड,राधेश्याम उतरनी ,सोशल मीडिया प्रभारी कैलाश साधवानी,संतोष नारंग, कमल राहेजा,कैलाश साधवानी, अजीत मेघानी,सागर आहूजा,नरेश क्षेत्रपाल,कमल राहेजा,संजय कुमार,शंकर वासवानी,कमल रावलानी, दिलीप खटवानी, मिंटू लखमानी,सपना राजपाल,ज्योति भारतीय, किरन पंजवानी,प्रिया वलेशाह,रागिनी राजपाल,माला खत्री ,सुचिता राहेजा,रीमा राहेजा,दर्शन क्षेत्रपाल आदि अनेकों श्रद्धालु महिला पुरुष मौजूद रहे।

महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व मे महिला उप निरीक्षक श्वेता राठौड़ ने महिलाओ को किया जागरूक

अयोध्या। ट्रेन में यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतें।यात्रा के दौरान आप सभी किसी भी अजनबी व्यक्तियों व महिलाओं से खाद्य पदार्थ लेकर सेवन न करें। नहीं तो आप सभी जहर पुरानी का शिकार हो सकते हैं। यह बातें मंगलवार को मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला थाना अध्यक्ष आशा शुक्ला के निर्देश पर महिला उप निरीक्षक श्वेता राठौड़ ने पीआरडी राजकुमारी के साथ अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर अभियान चलाते समय महिला यात्रियों से कहीं।इस मौके पर उन्होंने महिला रेल यात्रियों से अपील किया कि आप सभी अपने आसपास दिखाई देने वाले संदिग्ध वस्तुओं तथा व्यक्तियों की सूचना जीआरपी आरपीएफ तथा स्थानीय पुलिस को दें जिससे समय रहते किसी भी अप्रिय घटना से निपटा जा सके।इसके अलावा उन्होंने जिला महिला चिकित्सालय,जिला पुरुष चिकित्सालय, सहित अन्य प्रमुख चौराहों तथा मार्गों पर मिशन शक्ति अभियान फेज – 5 के तहत महिलाओ व अन्य लोगो को जागरुक किया है।इस मौके पर उन्होंने महिलाओ व बेटियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रति जागरूक व सुरक्षात्मक उपाय भी बताई।इस मौके पर उन्होंने महिलाओं तथा बालिकाओं को सुरक्षात्मक टिप्स की भी जानकारी दिया।उन्होंने विधवा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जिसमे विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन एवं सुकन्या समृद्धि योजना और हेल्पलाइन नंबर के बारे में महिलाओं को जागरूक किया।इसके अलावा उन्होंने उन्हें किसी भी प्रकार की पुलिस सहायता हेतु विमेन पावर लाइन 1090, यूपी 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098, साइबर अपराध 1930 के बारे में बताया गया।बताया कि यह सभी नंबर आप लोग हमेशा याद रखें। जब भी आपको किसी भी प्रकार की सहायता लेने की जरूरत हो तो आप इस नंबर पर फोन कर सकते हैं।

आरपीएफ कर्मियों ने लोगो को किया जागरूक

अयोध्या।आरपीएफ अयोध्या कैंट द्वारा रेलवे ट्रैक के आसपास रह रहे लोगों को आये दिन जागरूक किया जा रहा है।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक आरपीएफ कैंट रेलवे स्टेशन हरीश कुमार शाही ने बताया कि इसी अभियान के तहत मंगलवार को रेलवे नियमों का पालन व रेल से संबंधि

त अपराधों पर आम जनता व यात्रियों को जागरूक किया गया।यह अभियान अयोध्या कैंट से फतेहगंज, हैदरगंज, बेनीगंज क्षेत्र व अयोध्या धाम तक चला।इस मौके पर आरपीएफ कर्मियों ने लोगों को रेलवे ट्रैक पार ना करने,रेलगाड़ी पर पत्थर ना मारने, रेलवे क्रासिंग गेट को सावधानीपूर्वक पार करने, ज्वलनशील पदार्थ लेकर रेलगाड़ी में यात्रा ना करने व रेलवे परिसर मे लेकर ना आने, अनावश्यक रूप से चौन पुलिंग न करने, रेलवे परिसर, रेलवे ट्रैक के किनारे, कूड़ा कचरा ना डालने, मवेशियों को रेलवे ट्रैक से दूर रखने की अपील किया।

76 करोड़ से जीडीए कॉलोनियों में नगर निगम कराएगा विकास कार्य

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) से नगर निगम को हस्तांतरित कॉलोनियों में सड़क और जलनिकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने की कवायद तेज हो गई है। नगर निगम की ओर से जीडीए की कॉलोनियों में लगभग 76 करोड़ से विकास कार्य होंगे। इसमें सड़कें, जलनिकासी की व्यवस्था के अलावा पार्कों का सुंदरीकरण व अन्य कार्य शामिल हैं। मिली जानकारी के अनुसार नगर निगम ने करीब नौ करोड़ रुपये की लागत से आठ विकास कार्यों के लिए प्रक्रिया पूरी कर ली है। अधिकारियों के अनुसार अगले सप्ताह से निर्माण कार्य शुरू होने की संभावना है। परियोजनाओं के तहत गौतम विहार विस्तार कॉलोनी में सड़क सुधार तथा पार्कों की मरम्मत और पेंटिंग, वसुंधरा इंक्लेव फेज–1, फेज–2 और फेज–3 में सड़क एवं पार्कों का विकास, बुद्ध विहार पार्ट–ए, बी और सी में सड़क व नाला मरम्मत तथा अम्रपाली आवासीय योजना में सड़क सुधार कराया जाएगा। इनमें सबसे बड़ी परियोजना चंपा देवी पार्क से बुद्धा गेट तक 1,200 मिमी एसीसी ह्यूम पाइप के जरिए भूमिगत जल निकासी व्यवस्था विकसित करने की है। इस कार्य पर करीब 2.47 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिससे क्षेत्र में जलभराव की समस्या कम होगी। इसके अलावा पार्कों में भी सुंदरीकरण के कार्य होंगे। नगर निगम के मुख्य अभियंता अमित शर्मा ने बताया कि सभी कार्यों का भुगतान गुणवत्ता जांच के बाद ही किया जाएगा। सड़क निर्माण करने वाले ठेकेदारों को पांच वर्ष तक अनुरक्षण (मेंटेनेंस) की जिम्मेदारी भी निभानी होगी।

अखिलेश कुमार गुप्ता फिर बने रुदौली के बीडीओ

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।रुदौली विकासखंड को एक बार फिर अनुभवी प्रशासनिक अधिकारी अखिलेश कुमार गुप्ता के रूप में खंड विकास अधिकारी मिलने जा रहे हैं।उनकी पुनः तैनाती के आदेश के बाद विकासखंड के अधिकारियों और कर्मचारियों में सकारात्मक माहौल देखा जा रहा है। वह शीघ्र ही रुदौली बीडीओ का कार्यभार ग्रहण करेंगे।अखिलेश कुमार गुप्ता इससे पहले भी रुदौली में बीडीओ के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके पूर्व कार्यकाल को विकास कार्यों, प्रशासनिक दक्षता और जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए याद किया जाता है।उनके जल्द कार्यभार संभालने की संभावना है।

एडीआईओएस अवनीश पाडेय राजकीय जिला पुस्तकालय में छात्रों को तनाव-मुक्त रखने के लिए चला रहे विशेष अभियान

अयोध्या। एडीआईओएस अवनीश पांडेय ने बच्चों के भविष्य को संवारने और उन्हें मानसिक तनाव से मुक्त रखने के लिए राजकीय जिला पुस्तकालय अयोध्याश में एक विशेष अभियान की शुरुआत की।देखा जाये तो यह पहली और अनोखी पहल मानी जा रही है,जहाँ प्रशासनिक स्तर पर किसी अधिकारी ने खुद आगे आकर छात्रों का हाथ थामा है।घ्दूर दराज से वहां पर आने वाले तनाव–मुक्त शिक्षा और करियर काउंसलिंग कर रहे है।इस अभियान के तहत उन्होंने जिला पुस्तकालय में छात्रों को न सिर्फ पढ़ाई के सही तरीके सिखा रहे हैं,बल्कि उनके करियर को लेकर सही मार्गदर्शन भी कर रहे है। इस मौके पर उन्होंने छात्रों को बिना किसी मानसिक दबाव के यहां पर अध्ययन करने और खुलकर सकारात्मक सोच के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने की टिप्स दिया। उन्होंने बताया कि इस पुस्तकालय में मानसिक तनाव से मुक्तिरू बच्चों को यह सिखाया जा रहा है कि बिना किसी मानसिक दबाव के, खुलकर और सकारात्मक सोच के साथ परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें। इस मौके पर उन्होंने बताया कि छात्रों को भविष्य की संभावनाओं और अलग–अलग क्षेत्रों में करियर बनाने के व्यावहारिक टिप्स दिए जा रहे हैं।एडीआईओएस अवनीश पांडेय ने बताया वे खुद एक शिक्षक और मार्गदर्शक की भूमिका में बच्चों के साथ संवाद कर रहे हैं और उनकी शंकाओं का समाधान कर रहे हैं।एक सच्चे श्मार्गदर्शकश के रूप में उभरे अवनीश पांडेय पुस्तकालय में मौजूद छात्रों और स्थानीय अभिभावकों ने इस पहल की दिल खोलकर सराहना की है। लोगों का कहना है किरूघ्अयोध्या में पहली बार किसी अधिकारी द्वारा इस तरह की जमीनी पहल देखी गई है। अवनीश पांडेय सिर्फ एक अधिकारी नहीं, बल्कि बच्चों के लिए एक सच्चे मार्गदर्शक और श्करियर काउंसलरश बनकर उभरे हैं। उनके द्वारा किया जा रहा यह कार्य बच्चों के भविष्य निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा।ष्जानकारों का मानना है कि जिला पुस्तकालय में शुरू हुआ यह कैंपेन आने वाले समय में अयोध्या के छात्रों के लिए एक बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हो सकता है।इससे न केवल सरकारी पुस्तकालयों की प्रासंगिकता बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के उन बच्चों को भी सही दिशा मिलेगी जो कोचिंग या महंगे परामर्श का खर्च उठाने में असमर्थ हैं।

जौनपुर पुलिस ने फर्जी एमएलएम गिरोह का किया भंडाफोड़, नौकरी का झांसा देकर ठगी करने वाले 7 गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, 14 जुलाई। जौनपुर पुलिस ने फर्जी मल्टी लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) और पिरामिड स्कीम के जरिए बेरोजगार युवाओं से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए उसके सरगना समेत सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 11 मोबाइल फोन, एक लग्जरी थार, एक बुलेट और एक पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की है। कार्रवाई के दौरान गिरोह के चंगुल में फंसे करीब 30 युवक–युवतियों को भी मुक्त कराया गया। मंगलवार को मामले का खुलासा करते हुए क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता ने बताया कि थाना लाइन बाजार पुलिस ने सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए गिरोह का भंडाफोड़ किया। जांच में सामने आया कि आरोपी ष्मएस अर्थ इंटरप्राइजेजष नामक फर्जी कंपनी तथा ष्रॉयल हेल्थ इंडियाष की फ्रेंचाइजी के नाम पर संगठित साइबर ठगी का नेटवर्क संचालित कर रहे थे। आरोपी

बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों के बेरोजगार युवाओं को फोन कर वाराणसी में टाटा कंपनी या कृषि क्षेत्र में 25 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन वाली नौकरी दिलाने का झांसा देते थे। युवाओं को वाराणसी बुलाकर कॉरपोरेट कार्यालय जैसा माहौल तैयार कर इंटरव्यू लिया जाता था और फिर जॉइनिंग व रजिस्ट्रेशन शुल्क के नाम पर प्रत्येक अभ्यर्थी से 30 से 35 हजार रुपये वसूले जाते थे। बदले में उन्हें एक सामान्य किट, जिसमें कपड़े, तेल और साबुन जैसी सामग्री होती थी, थमा दी जाती थी। पुलिस के अनुसार, ट्रेनिंग सेंटर में युवाओं का मनोवैज्ञानिक तरीके से ब्रेनवॉश कर उन्हें लग्जरी जीवनशैली का सपना दिखाया जाता था। इसके बाद उनसे अपने रिश्तेदारों और मित्रों को इस नेटवर्क से जोड़ने का दबाव बनाया जाता था। प्रत्येक सदस्य को कम से कम तीन नए लोगों को जोड़ने का लक्ष्य दिया जाता था। लक्ष्य पूरा न करने पर वेतन रोकने और जमा धनराशि वापस न करने की धमकी दी जाती थी। जांच में यह भी सामने आया है कि गिरोह के कथित संचालक राहुल राजभर के यूनियन बैंक खाते से करीब 34 करोड़ रुपये का लेन–देन हुआ है। पुलिस बैंक खातों और वित्तीय लेन–देन की विस्तृत जांच कर रही है। मामले में अन्य आरोपितों की तलाश और नेटवर्क से जुड़े लोगों की पहचान के लिए कार्रवाई जारी है।

युवती से मारपीट की घटना की कांग्रेस नेताओं ने की निंदा

गोरखपुर, (संवाददाता)। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कौवाबाग पुलिस चौकी प्रभारी व उनके सभी साथियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की मांग किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी सीमा सिंह, मृत्युंजय पाण्डेय, मुन्ना तिवारी, मंजेश पासवान, नवीन चंद, आनंद कुमार, शिव सागर कन्नौजिया, नितेश चंद, करण कुमार, रघुवंश हिंदू, मनीष मिश्रा, शारदानंद राय, अजय यादव सहित अन्य बहुत से लोग थे।

जगन्नाथ धाम में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र व सुभद्रा का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, रथ यात्रा की तैयारियां पूरी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, 14 जुलाई। जौनपुर के श्री जगन्नाथ धाम रासमंडल में आषाढ़ कृष्ण अमावस्या के अवसर पर मंगलवार को भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र और देवी सुभद्रा का पारंपरिक विधि–विधान से स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जनपद के वरिष्ठ चिकित्सकों की टीम ने धार्मिक परंपरा के अनुसार तीनों विग्रहों का परीक्षण कर उनके स्वास्थ्य का आकलन किया। मुख्य चिकित्सक डॉ. रजनीकांत द्विवेदी ने बताया कि ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा के स्नान पूर्णिमा महोत्सव में अधिक स्नान कराने के कारण तीनों विग्रह पिछले 15 दिनों से अस्वस्थ माने जाते हैं। आषाढ़ कृष्ण प्रतिपदा से अमावस्या तक भगवान के ज्वरग्रस्त रहने की परंपरा के अनुसार इस अवधि में उन्हें विभिन्न औषधीय काढ़ों का भोग अर्पित किया गया। इस दौरान आम श्रद्धालुओं के लिए भगवान के दर्शन भी बंद रहे। स्वास्थ्य परीक्षण में डॉ. रजनीश श्रीवास्तव, डॉ. स्मिता श्रीवास्तव, डॉ. अजीत कपूर, डॉ. अशोक अस्थाना, डॉ. शैलेश कुमार सिंह, डॉ. आलोक यादव और डॉ. स्वाति यादव सहित वरिष्ठ चिकित्सकों ने भाग लिया। स्वास्थ्य परीक्षण के उपरांत मंदिर प्रशासन ने बताया कि बुधवार को भगवान को परवल के जूस का भोग अर्पित किया जाएगा। इसके बाद गुरुवार को राजसी खिचड़ी का प्रसाद अर्पित होगा। तत्पश्चात भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र और देवी सुभद्रा भव्य रथ पर आरूढ़ होकर नगर भ्रमण करेंगे तथा श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। यह आयोजन पारंपरिक रथ यात्रा महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अर्चक पंडित दिनेश चंद्र द्विवेदी, रथ यात्रा समिति के अध्यक्ष शशांक सिंह रानू, कोषाध्यक्ष शिव शंकर साहू, महामंत्री राजेश गुप्ता, निशाकांत द्विवेदी, रत्नेश सिंह, प्रबंधक सीए संजय गुप्ता, संतोष गुप्ता, दिनेश राय, दयाशंकर निगम, दिनेश प्रकाश कपूर, मनोज मिश्रा, नीरज श्रीवास्तव, आशुतोष मिश्रा सहित मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

अवधेश द्विवेदी के क्षेत्रीय अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद प्रथम आगमन की तैयारियों में जुटी भाजपा

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।भारतीय जनता पार्टी के अवध क्षेत्र के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी के प्रथम अयोध्या आगमन को लेकर महानगर इकाई ने भव्य स्वागत की तैयारियां पूरी कर ली हैं। नगर की सीमा से लेकर सर्किट हाउस तक विभिन्न स्थानों पर उनका स्वागत किया जाएगा। तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए भाजपा महानगर कार्यालय में महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई।महापौर गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि अयोध्या की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा के अनुरूप क्षेत्रीय अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता पूरे उत्साह के साथ स्वागत कार्यक्रम में भाग लेंगे तथा संगठन की एकजुटता और शक्ति का परिचय देंगे।बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि क्षेत्रीय अध्यक्ष का प्रथम अयोध्या आगमन संगठन के लिए गौरव का अवसर है। कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है और स्वागत कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं अनुशासित बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं।मीडिया प्रभारी अमित कुमार मिश्र ने बताया कि बैठक में तय किया गया कि गरुण द्वार पर जनप्रतिनिधि एवं महानगर पदाधिकारी, सहादतगंज हनुमानगढ़ी, टीवी टावर तथा कचहरी गेट के सामने संबंधित मंडलों के पदाधिकारी क्षेत्रीय अध्यक्ष का स्वागत करेंगे। सर्किट हाउस मोड़ पर भाजपा के सभी मोर्चों के पदाधिकारी उनका अभिनंदन करेंगे। सभी स्वागत स्थलों पर 21 बटुकों द्वारा स्वस्तिवाचन कराया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर तोरण द्वार बनाए जाएंगे, मानव श्रृंखला बनाई जाएगी तथा हर स्थल पर 51 किलो की माला, पुष्पवर्षा व आतिशबाजी के साथ उनका अभिनंदन किया जाएगा। इसके उपरान्त महानगर के पदाधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों व पूर्व जिलाध्यक्षों के साथ अलग–अलग बैठक होगी।बैठक में महामंत्री परमानंद मिश्र, अमित तिवारी, तिलकराम मौर्या, अमल गुप्ता, शशि प्रताप सिंह, बाल कष्ण वैश्य, रवि शर्मा, हरभजन गौड, शिवम शुक्ला, रवि सिंह, स्वाती सिंह, मंडल अध्यक्ष रवि सोनकर, हेमंत जायसवाल, कपिल देव वर्मा, ओमिश अग्रहरि, शुभम् श्रीवास्तव, स्वाप्निल श्रीवास्तव, वरूण चौधरी, आकाश सोमवंशी, अमन तिवारी बिट्टूर, प्रांशु अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता पहल को झटका, इस बैठक में शामिल नहीं होगा मुस्लिम पक्ष

वाराणसी, (संवाददाता)। ज्ञानवापी–श्रृंगार गौरी विवाद को आपसी बातचीत से सुलझाने की सुप्रीम कोर्ट की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत द्वारा शुरू की गई श्समाधान समारोह–2026 पहल के तहत 14 जुलाई को वाराणसी में होने वाली श्प्री–कंसिलेशनश (पूर्व–सुलह वार्ता) बैठक में शामिल होने से मुस्लिम पक्ष ने साफ इनकार कर दिया है। अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी (मुस्लिम पक्ष) के अनुसार, वे इस विवाद को अदालत के बाहर किसी मध्यस्थता या लोक अदालत के जरिए सुलझाने के पक्ष में नहीं हैं और अपनी कानूनी लड़ाई को न्यायालय में ही जारी रखेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में देश के कुछ सबसे संवेदनशील धार्मिक और जमीनी विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने के लिए श्समाधान समारोह–2026श के तहत विशेष लोक अदालत का गठन किया है। सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी मामले को 21 से 23 अगस्त तक चलने वाली विशेष लोक अदालत में भेजने का सुझाव दिया था। मुस्लिम पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ताओं और अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी का रुख इस मामले पर पूरी तरह स्पष्ट है कि हम शांतिपूर्ण समाधान का सम्मान करते हैं, लेकिन ज्ञानवापी जैसे अत्यंत संवेदनशील, मालिकाना हक और पूजा स्थल अधिनियम, 1991 से जुड़े संवैधानिक मामलों का फैसला लोक अदालत या मध्यस्थता से नहीं, बल्कि कोर्ट की नियमित न्यायिक प्रक्रिया के जरिए ही होना चाहिए। मुस्लिम पक्ष का कहना है कि वे किसी भी स्थिति में मस्जिद पर अपना दावा नहीं छोड़ेंगे, इसलिए ऐसी वार्ताओं में शामिल होने का कोई औचित्य नहीं रह जाता। दिलचस्प बात यह है कि इस मध्यस्थता प्रस्ताव को लेकर केवल मुस्लिम पक्ष ही नहीं, बल्कि हिंदू पक्ष की मुख्य वादिनी और पैरोकार भी नाखुश हैं। हिंदू पक्ष का कहना है कि वे किसी भी तरह के श्समझौतेश या मध्यस्थता के मूड में नहीं हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक **देश की उपासना**

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।